राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 21 जून 2024 वर्ष–7,अंक–148 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

तमिलनाडु में जहरीली शराब से 34 की मौत, 60 बीमार

जांच आयोग गठित

चेन्नई।

कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब पीने से कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई है और 60 से अधिक लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। कलेक्टर एम.एस. प्रशांत ने पुष्टि की, कल्लाकुरिची में कथित अवैध शराब के सेवन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने घटना पर दुःख व्यक्त किया और इसे रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कल्लाकुरिची में मिलावटी शराब पीने वाले लोगों की मौत की खबर सुनकर मैं स्तब्ध और दुःखी हूं। इस अपराध में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसे रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। राज्यपाल आर.एन. रवि ने भी शोक व्यक्त किया और बीमारों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा, कल्लाकुरिची में अवैध शराब के सेवन से हुई कथित मौतों से गहरा सदमा लगा है। कई और पीड़ित गंभीर हालत में हैं और जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदना है और अस्पतालों में भर्ती लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। हमारे राज्य के विभिन्न हिस्सों से अवैध शराब के सेवन से अक्सर लोगों की दुःखद मौत की खबरें आती रहती हैं। यह अवैध शराब के उत्पादन और खपत को रोकने में निरंतर हो रही चूक को दर्शाता है। इस बीच, पीएमके संस्थापक डॉ. एस. रामदास ने लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को मौतों और अवैध शराब की समस्या को रोकने में विफल रहने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आपको बता दें कि स्टालिन के पास गृह विभाग की भी जिम्मेदारी है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने भी मौतों पर शोक जताया। उन्होंने राज्य सरकार पर राज्य में अवैध शराब की समस्या को नियंत्रित करने के लिए कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि कुछ महीने पहले विल्लुपुरम जिले के मरक्कनम और चेंगापट्टू जिले के मदुरंतकम में भी जहरीली शराब पीने से 20 से अधिक लोगों की मौत हो गयी थी।

परिजनों को 10-10 लाख की सहायता

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मृतकों के परिवार को 10-10 लाख रुपये और उपचाराधीन लोगों को 50-50 हजार रुपये देने की घोषणा की है। पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी गोकुलदास की मौजूदगी वाले एक सदस्यीय आयोग ने मामले की जांच करने की घोषणा की है, जिसकी रिपोर्ट 3 महीने के भीतर प्रस्तुत की जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मु को जन्मदिन पर उपराष्ट्रपति ने दी बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को जन्मदिन की शुभकामनाएं और बधाई दी और उनकी दीर्घायु की कामना की। धनखड़ अपनी पत्नी डॉक्टर सुदेश धनखड़ के साथ सुबह राष्ट्रपति भवन पहुंचे और राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से मुलाकात की। धनखड़ ने राष्ट्रपति मुर्मू को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रपति का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने राष्ट्रपति की प्रसन्न स्वस्थ और दीर्घायु की कामना की।

आज योग करते समय रखें इन बातों का ध्यान

नई दिल्ली ।

21 जून को हर साल इंटरनेशनल योगा डे मनाया जाता है, ताकि लोगों को योग के महत्व और फायदों के बारे में बताया जा सके। योग शब्द का शाब्दिक अर्थ- जुड़ना या मिलना होता है जो कि संस्कृत के शब्द यूजी से बना है। योग करने से सेहत को काफी फायदा होता है। दिमाग शांत होता ही है, साथ ही साथ तनाव भी कम होता है। कई लोग योग करते समय कुछ गलतियां कर देते हैं जिससे उन्हें काफी नुकसान हो सकता है। लेकिन योग करते समय कुछ बातें ध्यान में रखना बेहद जरूरी होता है ताकि चोट लगने से बच सकें और सही तरह से योग सेशन पूरा कर सकें।

टाइट कपड़े : योग का अभ्यास करने के लिए सही ढंग के कपड़ों का चुनाव करें। योग करते समय अगर आपके कपड़े टाइट, या कम पसीना सोखने वाले हुए, तब आपका ध्यान योग में कम कपड़ों पर ही लगा रहेगा इसलिए हमेशा लूज फिटिंग वाले कपड़े पहनें।

योग करने से करीब 2 से 3 घंटे पहले तक कुछ भी खाने से बचें। क्योंकि अगर आप खाना खाकर योग करते हैं, तब आपको शरीर में ऐंठन महसूस हो सकती है। दरअसल, शरीर को खाना डाइजेस्ट करने मे काफी एनर्जी लगती है, जिसके कारण आपको योग करते समय थकावट का एहसास हो सकता है।

योग के समय बात करना : अगर योग क्लास जाते हैं तब कोशिश करें बात करें। इससे आप योग पर फोकस कर पाएंगे और मसल्स माइंड के कनेक्शन से उसके अधिक लाभ ले पाएंगे।

जल्दबाजी से बचें : जल्दबाजी में आकर कोई भी योग पोजिशन को न करें। इससे चोट लग सकती है या ऐंठन आ सकती है। इसलिए हमेशा ध्यान से योग करें और अगर कोई खिंचाव महसूस होता है, तब तुरंत एक्सपर्ट से बात करें।

महाराष्ट्र के पालघर में बनेगा वधावन पोर्ट, मोदी सरकार ने दी हरी झंडी

प्रोजेक्ट पर खर्च होंगे 76200 करोड़, ये विश्व के टॉप पोर्टो में होगा शामिल

नई दिल्ली। पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र के लिए बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र के पालघर में वधावन पोर्ट बनाने हो हरी झंडी दे दी है। यह प्रोजेक्ट 76200 करोड़ रुपए का होगा। यहां कंटेनर की कैपेसिटी 20 मिलियन होगी। इससे पोर्ट के आसपास के इलाके में 12 लाख रोजगार का पैदा होंगे। इस पोर्ट के पास रेलवे और हवाई अड्डे की भी कनेक्टिविटी होगी। यहां नौ कंटेनर टर्मिनल बनाए जाएंगे और मेगा कंटेनर पोर्ट होगा। पोर्ट का पहला फेज 2029 तक पूरा कर लिया जाएगा। ये पोर्ट विश्व के टॉप टेन पोर्टो में शामिल होगा। ये पोर्ट मुंबई से लगभग 150 किलोमीटर दूरी स्थित है। केंद्र सरकार ने कहा है कि इस पोर्ट के निर्माण के लिए हर एक स्टेकहोल्डर से बातचीत की गई है। पोर्ट के डिजाइन में बदलाव किया गया है और अब इसे स्थानीय लोगों को फायदा पहुंचाने के हिसाब से तैयार किया जाएगा। एक खास बात यह कि ये पोर्ट इंडिया मिडिल ईस्ट कॉरिडोर के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। इस पोर्ट पर कोस्ट गार्ड का एक अलग बर्थ होगा। इसके अलावा एक फ्यूल बर्थ भी होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस पोर्ट को जवाहर लाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीटी) और महाराष्ट्र मेरिटाइम बोर्ड मिलकर बना रहे हैं। इसमें जेएनपीटी की हिस्सेदारी 74 फीसदी और महाराष्ट्र मेरिटाइम बोर्ड की 26 फीसदी होगी।

बीमारी की पहचान होने के बाद ही एंटीबायोटिक दवा लिखने के निर्देश

नई दिल्ली । राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा एंटीबायोटिक दवाओं के अंधाधुंध प्रयोग पर रोक लगाने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। देश के सभी मेडिकल कॉलेज के शिक्षकों को इसे पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसी तरह से डॉक्टरों को भी यह निर्देश जारी किए गए हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की गाइडलाइन के अनुसार डायग्नोस्टिक जांच में बीमारी की पहचान होने के बाद ही मरीज को एंटीबायोटिक दवा देने के निर्देश दिए गए हैं। एंटीबायोटिक दवाओं में प्रतिरोधक क्षमता होती है। इनका उपयोग बहुत सावधानी पूर्वक किया जाना चाहिए। गंभीर बीमारी के मरीजों के लिए एंटीबायोटिक जीवन रक्षक दवाई होती है।

भारत में एंटीबायोटिक का सबसे ज्यादा प्रयोग

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के ताजा विश्लेषण से यह बात सामने आई है। दुनिया के सभी देशों में, भारत में सबसे ज्यादा एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग होता है। जिसके कारण संक्रामक बीमारियों में फिर इनका असर नहीं हो पाता है। हाल ही में एएमआर का खतरा बड़ी चुनौती के रूप में सामने आ रहा है। 2019 में एएमआर की बीमारी के कारण भारत में 2. 97 लाख मौत हुई थी।

मोदी सरकार ने 14 प्रमुख फसलों पर बढ़ाई एमएसपी, किसान नेता नाखुश

कृषि मंत्री ने कहा-सरकार किसानों के कल्याण व सम्मान के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में खरीफ की 14 प्रमुख फसलों एमएसपी बढ़ाने का महत्वपूर्ण फैसला लिया। इस फैसले की सराहना की गई, वहीं कई किसानों नेताओं ने नाराजगी जताई। पीएम मोदी ने केंद्र सरकार के फैसले के बारे में एक्स पर लिखा, हमारी सरकार किसानों के हितों के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी दिशा में वर्ष 2024-25 के लिए खरीफ की प्रमुख फसलों की एमएसपी में बढोतरी की मंजूरी दी है। कृषि मंत्री और मप्र के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर लिखा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों के कल्याण व सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है।

इस साल के खरीफ सीजन के सभी प्रमुख फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी की गई। सबसे ज्यादा बढोतरी दलहल व तिलहन में की है। इस फैसले से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा कि खरीफ की सभी प्रमुख फसलों के एमएसपी बढोतरी को मंजूरी दे दी गई है। इससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर दाम मिलेगा और उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। किसानों के हित में लिए गए इस फैसले के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी फसलों की एमएसपी बढ़ाने के मोदी सरकार के फैसले की सराहना की और कहा कि इससे किसानों की आय बढ़ेगी। वहीं छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय ने एक्स पर लिखा कि धान की फसल पर एमएसपी में बढ़ोतरी से छत्तीसगढ़ के किसानों को दोहरा लाभ मिलेगा। इसके लिए मैं जनता की ओर से पीएम मोदी व केंद्रीय कृषि मंत्री का आभार व्यक्त करता हूं।

उधर, सरकार के इस फैसले से नाखुश मध्यप्रदेश के किसान नेता शिवकुमार शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा घोषित एमएसपी पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि किसान मुख्य रूप से दो फसलें गेहूं व धान उगाते हैं। इनमें से धान पर घोषित एमएसपी पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक गेहूं और धान की एमएसपी सी-टू के हिसाब से तय नहीं होगी और एमएसपी को क़ानून गारंटी नहीं मिलेगी, तब तक किसानों को लाभ नहीं मिलने वाला है।

सरकार के फैसले पर भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश सिंह टिकैत ने कहा कि स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिश के आधार एमएसपी बढ़ानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि जब तक एमएसपी को कानूनी गारंटी नहीं मिलेगी, तब तक इसका लाभ किसानों को नहीं मिल सकता। केंद्र सरकार एमएसपी तो घोषित कर देती है, लेकिन इसके आधार पर फसलों की खरीद नहीं करती, इसलिए किसानों को कोई खास लाभ नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि एमएसपी की कानूनी गारंटी न होने से बिहार में हर साल मक्का उत्पादक किसानों को करीब आठ हजार करोड़ का नुकसान होता है।

देश में जाति जनगणना के बजाय कौशल जनगणना की जरूरतः नायडू

यह हमारे वर्कफोर्स की कैपेसिटी और खामियों को उजागर कर सकेगी

नई दिल्ली।

मोदी सरकार में शामिल आंध्र प्रदेश की टीडीपी नेता सीएम चंद्रबाबू नायडू ने अपने राज्य में स्किल सेंसस कराने की बात कही है। चंद्रबाबू ने इंडिया गठबंधन के एजेंडे की आलोचना करते हुए कहा कि जाति जनगणना के बजाय कौशल जनगणना की जरूरत है। अगर नायडू की यह योजना रंग लाती है तो इस तरह की जनगणना कराने वाला आंध्र प्रदेश देश का पहला राज्य बन जाएगा। यह जनगणना हमें हमारे वर्कफोर्स की कैपेसिटी और खामियों को उजागर कर सकेगी। नायडू की इस पहल से मानव संसाधान का भरपूर इस्तेमाल हो सकेगा। सोशल मीडिया पर नायडू की इस पहल का स्वागत किया जा रहा है। ज्यादातर लोग इसे पूरे भारत में लागू करने की बात कर रहे हैं। दरअसल, आज जब हर ओर जब जाति जनगणना, धर्म आधारित जनगणना की बात हो रही है तो ऐसे में नायडू की यह पहल एक क्रांतिकारी साबित हो सकती है। जानकारों के मुताबिक चंद्रबाबू नायडू की यह पहल इतनी अच्छी है कि यह पूरे देश के लिए नजीर बन सकती है। कौशल के मामले में भारत में मिली-जुली स्थिति है। भारत में आधी से ज़्यादा आबादी 25 साल से कम उम्र की है। हालांकि, भारतीय युवा बेरोजगारी और कम रोजगार के हाई रेट का सामना कर रहे हैं। बहुत से युवाओं के पास डिग्री तो है, लेकिन नौकरियों के लिए जरूरी कौशल की कमी है।

2022-23 में हुए एक सर्वे के मुताबिक ग्रेजुएट करने वाले युवाओं में बेरोजगारी की दर काफी ज्यादा है।

फॉरेंसिक योजना से श्रमबल का प्रशिक्षण तय होगा, जल्द मिलेगा न्याय : गृहमंत्री शाह

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश में फॉरेंसिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 2,254.43 करोड़ रुपये की योजना मंजूर की गई है इससे न केवल श्रमबल का प्रशिक्षण सुनिश्चित होगा, बल्कि न्याय मिलने में भी तेजी आएगी। अमित शाह ने अपने 'एक्स' पर पोस्ट लिखा-देश में सिलसिलेवार अत्याधुनिक फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं और राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर खोलकर भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत करने के ऐतिहासिक निर्णय के लिए पीएम मोदी का आभार जताया है।

उन्होंने कहा कि 2,254.43 करोड़ रुपए की यह परियोजना न केवल फॉरेंसिक विज्ञान में श्रमबल का प्रशिक्षण सुनिश्चित करेगी, बल्कि सभी को त्वरित और त्रुटिहीन न्याय प्रदान करने में भी मदद करेगी। केंद्र सरकार समावेशी विकास और न्याय प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि कोई भी पीछे न छूटे।

शाह ने कहा कि पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2024-25 से 2028-29 की अवधि के दौरान 2254.43 करोड़ रुपए के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ केंद्रीय योजना 'नेशनल फॉरेंसिक इंफास्ट्रक्चर एन्हांसमेंट स्कीम' (एनएफआईईएस) के लिए गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस योजना के अंतर्गत फॉरेंसिक परिसर और प्रयोगशालाएं बनाई जाएंगी और बुनियादी ढांचे को और मजबूर किया जाएगा।

नीट यूजी 2024 पेपर लीक मामला: पेंडिंग केस की सुनवाई पर रोक

नई दिल्ली ।

नीट यूजी 2024 पेपर लीक से संबंधित मामले में अलग-अलग हाई कोर्ट में पेंडिंग केस की सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। दरअसल, एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर देश भर के अलग-अलग हाईकोर्ट में पेंडिंग नीट से संबंधित याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की गुहार लगाई है। इसके साथ अलग-अलग हाई कोर्ट में होने वाली नीट की सुनवाई पर रोक की मांग की थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालयों में नीट की सुनवाई पर रोक लगा दी लेकिन फिर कहा हैं कि वह काउंसलिंग पर रोक नहीं लगाएंगे। कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि दाखिला प्रक्रिया इस याचिका के परिणाम पर निर्भर है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एसवीएन भाटी की बेंच ने मामले में दाखिल ट्रांसफर पिटिशन पर नोटिस जारी किया। इस दौरान एनटीए की ओर से पेश वकील ने कहा कि हाई कोर्ट में पेंडिग केस की सुनवाई पर भी रोक लगाई जानी चाहिए। इस दौरान शुरुआत में सुप्रीम कोर्टने कार्यवाही पर रोक संबंधित आदेश पारित करने पर अनिच्छा जाहिर की थी। दरअसल, हाईकोर्ट ट्रांसफर पिटिशन पर नोटिस के बाद आमतौर पर सुनवाई नहीं करता है। हालांकि,एनटीए के वकील वर्धमान कौशिक ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बाद भी हाई कोर्ट मामले को डील कर कर रहा है। तब सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट में चल रहे इस मामले से संबंधित सुनवाई पर रोक लगाई। सुप्रीम कोर्ट में एनटीए की ओर से दाखिल अर्जी में कहा गया है कि इससे संबंधित एक मामला राजस्थान हाई कोर्ट, दो मामले कलकत्ता हाई कोर्ट और एक याचिका बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच में पेंडिंग है।

ईडी ने किया केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध

-कोर्ट से कहा-गोवा चुनावों में हवाला के पैसे का हुआ इस्तेमाल

नई दिल्ली।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध किया। ईडी ने आरोप लगाया कि 2022 के गोवा चुनावों के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक के सात सितारा होटल में ठहरने के लिए हवाला के पैसे का इस्तेमाल किया गया। दिल्ली कोर्ट ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा है। एएसजी राजू ने कहा कि ईडी के पास सबूत हैं जो दिखाते हैं कि अपराध की आय का एक हिस्सा 2022 के राज्य चुनावों के दौरान गोवा के ग्रैंड हयात होटल में केजरीवाल के ठहरने के लिए इस्तेमाल किया गया था। यह दिल्ली की एक कोर्ट द्वारा केजरीवाल की हिरासत तीन जुलाई तक बढ़ाए जाने के एक दिन बाद आया है। ईडी ने गुरुवार को कहा कि उसके साक्ष्य से पता चलता है कि केजरीवाल के ठहरने के लिए होटल और खाने का भुगतान करने के लिए चरणप्रीत सिंह ने 50,000 रुपये की किस्तों में 1.5 लाख रुपए का भुगतान किया था। ईडी ने यह भी आरोप लगाया कि चरणप्रीत, जिसने कथित तौर पर आप के गोवा चुनाव फंड का प्रबंधन किया था, उसने कई हवाला ऑपरेटरों से करीब 45 करोड़ रुपए नकद लिए और आप के गोवा चुनाव अभियान के लिए नकदी के प्रबंधन में शामिल था। ईडी ने यह भी कहा कि उसके पास सागर पटेल नाम के एक व्यक्ति समेत कई गवाहों के बयान मौजूद हैं, जो आप के गोवा चुनाव खर्च के लिए चरणप्रीत, प्रिंस कुमार और राजीव मोंडकर को किए गए नकद भुगतान की पुष्टि करते हैं। ईडी ने तर्क दिया कि केजरीवाल ने अपने फोन का पासवर्ड देने से इनकार करने पर उनके खिलाफ प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए, जो सामान्य जमानत कानून के तहत भी जमानत से इनकार करने का आधार है।

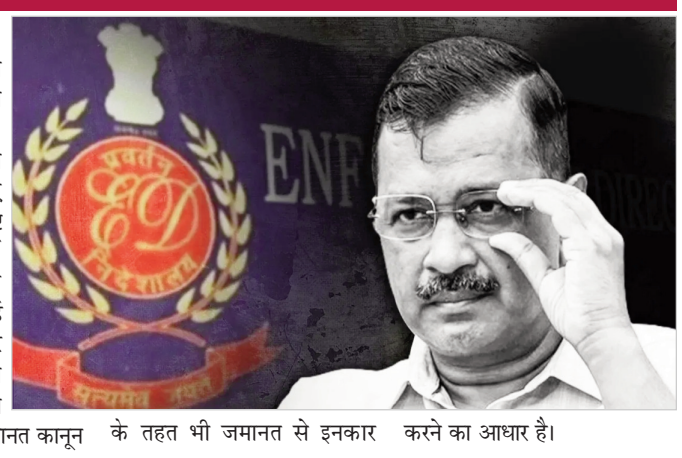

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

योग में है सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव

डॉ. वंदना सेन

सवाल यह आता है कि वर्तमान के मोहजाल में फंसे विश्व के अनेक देश आज किसी भी चीज में राहत नहीं देख रहा है। पैसे के पीछे भाग रहा पूरा विश्व तनाव भरा जीवन जी रहा है। इस तनाव से मुक्ति पाने का एक ही मार्ग है योग को अपनाना। जिसने अपने जीवन में योग को महत्व दिया है, वह इस तनाव से छुटकारा पाने में सफल रहा है। आज सबसे ज्यादा तनाव का जीवन मुस्लिम देशों में दिखाई देता है। वहां केवल मारकाट की भाषा के अलावा कुछ भी नहीं है।

योग में है सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव विश्व को कल्याण का मार्ग दिखाने के लिए भारत का चिंतन पुरातन काल से रहा है। विश्व का कल्याण करने का भाव भारतीय चिंतन में हमेशा से रहा है। वर्तमान में विश्व में जितनी भी ज्ञान और विज्ञान की बातें की जाती हैं, वह भारत में युगों पूर्व की जा चुकी हैं। इससे कहा जा सकता है कि भारत में ज्ञान और विज्ञान की पराकाष्ठा थी, लेकिन यह हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हम विदेशी चमक के मोहजाल में फंसकर अपने ज्ञान को संरक्षण प्रदान नहीं कर सके। जिसके कारण हम स्वयं ही यह भुला बैठे कि हम क्या थे। भारत की भूमि से विश्व को एक परिवार मानने का संदेश प्रवाहित होता रहा है, आज भी हो रहा है। यह अकाट्य सत्य है कि विश्व को शांति के मार्ग पर ले जाने का ज्ञान और दर्शन भारत के पास है। योग विधा एक ऐसी शक्ति है, जिसके माध्यम से दुनिया को स्वस्थ और मजबूती प्रदान की जा सकती है। 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से आज विश्व के कई भारत के साथ खड़े हुए हैं। यह विश्व को निरोग रखने की भारत की सकारात्मक पहल है।

देव भूमि भारत में वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को आत्मसात करने वाले मनीषियों ने बहुत पहले ही विश्व को स्वस्थ और मजबूत देने का संदेश दिया है। वास्तव में योग में राजनीति देखना संकुचित मानसिकता का परिचायक है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्व में योग का जो स्वरूप दिखाई दिया है, वह अपने आप में एक करिश्मा है। करिश्मा इसलिए क्योंकि ऐसा न तो पहले कभी हुआ है और न ही योग के अलावा दूसरा कार्यक्रम हो सकता है। इतनी बड़ी संख्या में भाग लेने वाले लोगों के मन में योग के बारे में अनुराग पैदा होना वास्तव में यह तो प्रमाणित करता ही है कि अब विश्व एक ऐसे मार्ग पर कदम बढ़ा चुका है, जिसका संबंध सीधे तौर पर व्यक्तिगत तथा सामूहिक उत्थान से है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भाग लेने वालों ने एक कीर्तिमान बनाया है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के योग साधकों के साथ मिलकर योग विद्या को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की जो पहल की थी, आज उसके सार्थक परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। अब विश्व के कई देशों ने स्वस्थ और मजबूती की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए हैं। अब विश्व

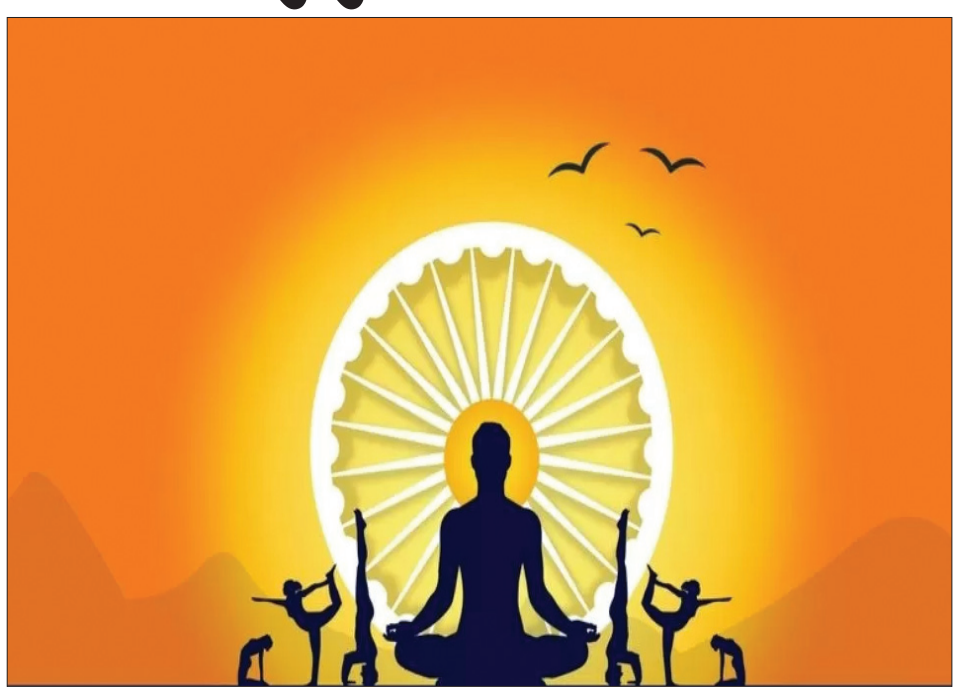

को निरोग बनाने से कोई ताकत नहीं रोक सकती।

वर्तमान में विश्व के अनेक देश इस सत्य से भली भांति परिचित हो चुके हैं कि योग जीवन संचालन की एक ऐसी शक्ति है, जिसके सहारे तनाव मुक्त जीवन की कल्पना की जा सकती है। हम जानते हैं कि विश्व के कई देशों में जिस प्रकार का विचार प्रवाह है, उससे जीवन की अशांति का वातावरण तैयार हो रहा था और अनेक लोग इसकी गिरफ्त में आते जा रहे हैं। विश्व के कई देश इस बात को जान चुके हैं कि योग के सहारे ही मानसिक शांति को प्राप्त किया जा सकता है। योग दिवस को मिले भारी वैश्विक समर्थन के बाद यह तो तय हो गया है कि विश्व को सुख और समृद्धि के मार्ग पर ले जाने के लिए भारत के दर्शन को विश्व के कई देश खुले रूप में स्वीकार करने लगे हैं। इससे पहले जो भारत विश्व के सामने अपना मुंह खोलने से कतराता था, आज वही भारत एक नए स्वरूप में विश्व के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। विश्व को भारत की विराट शक्ति का अहसास हो चुका है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब से देश के प्रधानमंत्री बने हैं, तब से हमारे देश के बारे में वैश्विक दृष्टिकोण में गजब का बदलाव दिखाई दे रहा है। सवाल यह है कि क्या यह बदलाव नरेन्द्र मोदी को देखकर आया है, नहीं। इसका जवाब यह है कि भारत के पास पूर्व से ही ऐसी विराट शक्ति थी, जिसका भारत की पूर्व सरकारों को भारतीय जनता को बोध नहीं था। हर भारतवासी के अंदर शक्ति का संचय है, हम शक्ति को प्रदर्शित नहीं कर पा रहे थे, इतना ही नहीं हम यह भूल भी गए थे कि हमारे अंदर भी शक्ति है। नरेन्द्र मोदी ने जामवंत की भूमिका अपनाकर देशवासियों एवं अप्रवासी भारतीयों के मन में इस भाव को जाग्रत किया कि आप महाशक्ति हैं। जैसे ही नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के मेडीसन एस्क्वायर में भारतीय शक्ति का प्रस्फुटन किया, वैसे ही भारत के नागरिकों के अंदर गौरव का अहसास तो हुआ ही साथ ही विश्व के विकसित देश भारत को अपना समकक्ष मानने लगे।

भारत के दर्शन में एक ठोस बात यह भी है कि भारत में हमेशा सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया वाला भाव ही रहा है। जो भी देश भारत के इस दर्शन से तालमेल रखता हुआ दिखाई देता है, वह कभी दूसरे का अहित सोच भी नहीं सकता। जबकि विश्व के अनेक देश केवल स्वयं का ही हित सबसे ऊपर रखकर दूसरों के हितों पर चोट करते हैं। आतंक फैलाकर अपना वर्चस्व स्थापित करने वाला समाज मारकाट करने की मानसिकता के साथ जी रहा है। ऐसे लोगों का न तो काई अपना है, और न ही कोई परिवार। कई मुस्लिम देशों के नागरिक आज मुसलमानों के ही दुश्मन बनकर मारकाट का खेल खेल रहे हैं। ऐसे लोगों से शांति का बातें करना भी बेमानी है। हमारी सलाह है कि ऐसे लोग भी योग की क्रियाएं अपनाकर शांति के मार्ग पर चल सकते हैं। योग जहां स्वस्थ मानाकिता का निर्माण करने में सहायक है वहीं शांति स्थापना का उचित मार्ग है।

सवाल यह आता है कि वर्तमान के मोहजाल में फंसे विश्व के अनेक देश आज किसी भी चीज में राहत नहीं देख रहा है। पैसे के पीछे भाग रहा पूरा विश्व तनाव भरा जीवन जी रहा है। इस तनाव से मुक्ति पाने का एक ही मार्ग है योग को अपनाना। जिसने अपने जीवन में योग को महत्व दिया है, वह इस तनाव से छुटकारा पाने में सफल रहा है। आज सबसे ज्यादा तनाव का जीवन मुस्लिम देशों में दिखाई देता है। वहां केवल मारकाट की भाषा के अलावा कुछ भी नहीं है। इन देशों में हमेशा अशांति का वातावरण दिखाई देता है और सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। यह इस बात का ध्यान रखना होगा कि आध्यात्मिकता और ध्यान योग के मामले में हम विश्व के सभी देशों से बहुत आगे हैं। इस बारे में दुनिया का ज्ञान भारत के समक्ष अधूरा ही है। भारत को जब तक इस बात का बोध था, तब तक विश्व का कोई भी देश भारत का मुकाबला करने का सामर्थ्य नहीं रखता था। आज इस शक्ति के प्रदर्शन की शुरूआत हो चुकी है, जरूरत इस बात की है कि हम सभी सरकार के कदम के साथ सहयोग का भाव अपनाकर अपना कार्य संपादित करें। आने वाले समय में भारत का भविष्य उज्जवल है।

संपादकीय

शीर्ष अदालत का सख्त रुख

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नीट-यूजी 2024 परीक्षा के आयोजन में किसी की तरफ से 0.001 प्रतिशत लापरवाही भी हुई हो, तब भी उससे पूरी तरह से निपटा जाना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ मंगलवार को पांच मई को हुई परीक्षा में छात्रों को कृपांक दिए जाने समेत अन्य शिकायतों से संबंधित दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं पर अन्य लंबित याचिकाओं के साथ अब 8 जुलाई को सुनवाई होगी। याचिकाओं में परीक्षा में अनियमितता बरते जाने की सीबीआई जांच और नीट-यूजी परीक्षा नये सिरे कराने की मांग वाली याचिकाएं भी शामिल हैं। अदालत ने एनटीए और केंद्र सरकार से याचिकाओं पर दो हफ्ते के भीतर अपने जवाब दाखिल करने को कहा है। लोक सभा चुनाव परिणाम आने की गहमागहमी के बीच ही नीट-यूजी 2024 परीक्षा के परिणाम भी घोषित किए गए थे। अनेक परीक्षार्थियों के टॉपर्स होने और खासी संख्या में परीक्षार्थियों को कृपांक दिए जाने की जानकारी होने के बाद लगा कि दाल में कुछ काला है। बाद के घटनाक्रम में कुछ गिरफ्तारियां हुई और पटना से लेकर गोधरा तक कई परीक्षा केंद्रों पर व्यापक स्तर पर अनियमितताएं बरती जाने की बातें सामने आने लगीं। परीक्षा में धांधली के संकेत मिलने लगे और परीक्षार्थियों के परिजनों के साथ ही अनेक संगठनों और राजनीतिक दलों ने विरोध प्रदर्शन करने शुरू कर दिए। कुछ परीक्षार्थियों ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। मेडिकल की पढ़ाई पर अभिभावक खासा खर्च करते हैं। अभ्यर्थी छात्र सामाजिक जीवन से कटकर मेडिकल पाठयक्रम में प्रवेश परीक्षा की तैयारी में रात-दिन एक कर देते हैं। दरअसल, अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए मेडिकल कॉलेजों में सीटें पर्याप्त नहीं हैं। जरूरी है कि सरकार सीटें बढ़ाने के लिए ढांचागत आधार को मजबूत करे। एनटीए के वजूद में आने से पहले सीबीएसई और राज्य शिक्षा बोर्ड पीएमटी की परीक्षा आयोजित करते थे जिसके आधार पर प्रवेश आसानी से मिल जाता था। लेकिन इस बीच अभ्यर्थियों की संख्या बढ़ने और एनटीए जैसे निकाय को मेडिकल के अलावा अन्य तमाम परीक्षाओं का आयोजन करने की जिम्मेदारी सौंप दी गई। इतने बोझ से एनटीए का ढांचा कमजोर दिखलाई पड़ने लगा है, उसके सामने मैनपावर की समस्या भी है। बहरहाल, जरूरी हो गया है कि छात्रों के साथ न्याय हो और इसके लिए रि-नीट-यूजी के अलावा कोई रास्ता दिखाई नहीं पड़ता।

चिंतन-मनन

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ञ ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव।
येन भूतान्यशेषाणि द्रक्षस्यात्मन्यथो मयि।।

अथार्तः हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नजरिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

विश्व संगीत दिवस : संगीत है शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम

ललित गर्ग

संगीत मानव जगत को ईश्वर का एक अनुपम दैवीय वरदान है। यह न सरहदों में कैद होता है और न भाषा में बंधता है। माना हर देश की भाषा, पहनावा और खानपान भले ही अलग हों, लेकिन हर देश के संगीत में सभी सात सुर एक जैसे होते हैं और लय-ताल भी एक-सी होती है। संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। विशेषज्ञों की मानें, संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देती है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। रोज की भागदौड़ और व्यस्तता के बीच संगीत आपको सुकून के पल बिताने का मौका देता है। साथ ही संगीत आपके अकेलेपन का एक बढ़िया साथी भी बन सकता है। संगीत की इसी खासियत को सभी तक पहुंचाने के लिये 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2024 की थीम है 'एक वैश्विक ध्वनि वाली दुनिया का सामना करना।'

संगीत दिवस को 'फेटे डी ला म्यूजिक' के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है 'संगीत उत्सव'। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। विश्व संगीत दिवस कुल 17 देशों में ही मनाया जाता है इसमें भारत, आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, ब्रिटेन, लक्समवर्ग, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, कोस्टारीका, इजाराइल, चीन, लेबनाम, मलेशिया, मोरक्को, पाकिस्तान, फिलीपींस, रोमानिया और कोलम्बिया शामिल हैं। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में सपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं।

विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य अलग-अलग तरीके से लोगों को संगीत के प्रति जागरूक करना है ताकि लोगों का विश्वास संगीत से न उठे। लांगफेलों के अनुसार संगीत मानव की विश्वव्यापी भाषा है।ह्न विशेषज्ञों के मुताबिक, मानसिक शांति के लिए संगीत को अहम माना गया है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है। संगीत सिर्फ सात सुरों में बंधा नहीं होता। इसे बांधने के लिए विश्व की सीमाएं भी कम पड़ जाती हैं। अगर इसे महसूस करें तो दैनिक जीवन में संगीत ही संगीत भरा है-कोयल की कूक, पानी की कलकल, हवा की सरसराहट हर जगह संगीत ही तो है, बस जरूरत है तो इसे महसूस करने की। किसी के लिए संगीत का मतलब अपने दिल को शांति देना है तो कोई अपनी खुशी का संगीत के द्वारा इजहार करता है। प्रेमियों के लिए तो संगीत किसी रामबाण या ब्रह्मास्त्र से कम नहीं। संगीत में मूड ठीक करने की अद्भुत ताकत होती है। अच्छा संगीत बेचैनी कम करता है। शोध कहते हैं कि घंटों काम कर रहे व्यक्ति का कुछ देर अच्छा संगीत सुनना उनकी रचनात्मकता व कार्यक्षमता को बढ़ा सकता है।

भारत में संगीत का हजारों वर्षों का इतिहास है, शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

संगीत आपके मूड, भाव और विचारों पर असर डालने की ताकत रखता है। एक अध्ययन के अनुसार, जोशीला संगीत कुछ समय में ही मूड को तरोताजा कर देता है। संगीत के सात स्वर बीमारियों को छूमंतर कर सकते हैं। संगीत मन के भाव को बयां करने का बेहद सरल तरीका है। संगीत में लय, ताल का समावेश है तो संगीत थिरकने पर मजबूर कर देता है। लेकिन यही संगीत हमारे स्वास्थ्य को भी बेहतर कर सकता है। वैदिक काल में ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जिनसे यह पूरी तरह से प्रमाणित होता है कि उस समय संगीत चिकित्सा शिखर पर रही होगी। ऊं का नाद स्वर इसी संगीत चिकित्सा का सर्वोपरि उदाहरण है। संगीत के हर राग में रोग निरोधक क्षमता है। राग पूरिया धनाश्री अनिद्रा दूर करता है, तो राग मालकौंस तनाव से निजात दिलाता है। राग शिवरंजिनी मन को सुखद अनुभूति देता है। राग मोहिनी आत्मविश्वास बढ़ाता है। राग भैरवी ब्लड प्रेशर और पूरे तंत्रिका तंत्र को नियंत्रित रखता है। राग पहाड़ी स्नायु तंत्र को ठीक करता है। राग दरबारी कान्हड़ा तनाव दूर करता है तो राग अहीर भैरव व तोड़ी उच्च रक्तचाप के लिए कारगर है। दरबारी कान्हड़ा अस्थमा, भैरवी साइनस, राग तोड़ी सिरदर्द और क्रोध से निजात दिलाता है।

आज की आपाधापी, तनाव एवं अवसादपूर्ण जीवन में संगीत ही एक ऐसा माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत सुनने से इंसान को अलौकितता का अहसास होता है। डॉक्टर भी संगीत को सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत, ध्वनि का ऐसा लयबद्ध व्यवहार है जो हमें अपने आपसे जोड़ने में सहायक सिद्ध होता है। भारतीय संस्कृति में भी विभिन्न वाद्य-यंत्रों एवं उनसे उत्पन्न ध्वनि, राग-रागिनियों का विशिष्ट महत्त्व है। यूं तो सृष्टि के कण-कण में संगीत है फिर चाहे यह बहती हुई नदिया की धारा हो या किनारे से टकराकर लौटती समंदर की प्रचंड लहरें। बहती हुई हवा और उस पर झूमते-लहराते पत्ते भी हृदय के इसी तरंगित साज को अभिव्यक्ति देते प्रतीत होते हैं। कुल मिलाकर संगीत हमारी आत्मा में इस तरह रच-बस चुका है कि इसके बिना जीवन की कल्पना ही व्यर्थ है। महात्मा गांधी ने कहा भी है कि मधुर संगीत आत्मा के ताप का नाश कर सकता है। हमारे सुख-दुःख का साथी है संगीत, जो स्नेहसिक्त क्षणों में हमें अपनी बाहों में भर लेता है और पीड़ा के समय किसी अच्छे-सच्चे मित्र की तरह हाथ थामे साथ चलता है। आपका सबसे प्रिय गीत आपके एक खराब दिन और मूड को सामान्य कर देने की क्षमता रखता है और आपको विश्वास होने लगता है कि दुनिया उतनी भी बुरी नहीं जितना कि कुछ पल पहले आप महसूस कर रहे थे। स्मृतियों के सुनहरे पृष्ठ भी संगीत की धुन पर अपनी थाप देने लगते हैं। आपकी कोमल भावनाओं की सहज, सुन्दर अभिव्यक्ति है, संगीत। इन्हीं पलों को उल्लास के साथ जीने के लिए प्रेरणा देता है विश्व संगीत दिवस।

भीषण गर्मी में मजदूरों की फिक्र भी जरूरी

देश में पड़ रही भीषण गर्मी से डेली वर्कर्स, विशेषकर डिलीवरी कर्मियों, ईंट-भट्ठों पर काम करने वालों और दिहाड़ीदार मजदूरों के लिए कामकाजी परिस्थितियां गंभीर हो गई हैं। भीषण गर्मी ने खुला काम करने वाले वर्कर्स के लिए कठोर कार्य स्थितियों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर किया है। इस भीषण गर्मी में कई लोग खुले वातावरण और गर्म मौसम में काम करने के लिए मजबूर हैं। अगर वे काम नहीं करेंगे, तो उनके घर खाना नहीं पकेगा। यह उनके जीवन-यापन का एकमात्र साधन है। ऐसे लोग अकसर काफी गरीबी में जीने के लिए विवश होते हैं। साफ पानी जैसी आधारभूत सुविधाओं से वंचित झुग्गियों के घर टिन या तारपोलिन की छतों के नीचे तपती गर्मी झेलते हैं। चूंकि ये काम ज्यादातर खुले वातावरण में ही करने पड़ते हैं, तो भीषण गर्मी में इन लोगों के बीमार पड़ने का खतरा भी ज्यादा रहता है। इनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए चल रहे प्रयासों और नई पहलों को विकसित किया जाना चाहिए, जिससे उनकी भलाई और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

भारत में हाल ही में कई क्षेत्रों में तापमान को 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच दआ, जिससे डेली वर्कर्स, खासकर डिलीवरी कर्मियों और दिहाड़ीदार मजदूरों के सामने आने वाली चुनौतियों में इजाफा हुआ है। इस प्रकार के खुला काम करने वाले इस दौरान श्रमिक पर्याप्त स्वास्थ्य-सुरक्षा उपायों और न्यूनतम ब्रेक के बिना चरम मौसम की स्थिति के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण गर्मी से थकावट और निर्जलीकरण

से पीड़ित हुए हैं, जिससे पता नहीं कितनों की जान असमय गई है। दिहाड़ीदार मजदूर स्थायी नौकरियों के बजाय अल्पकालिक अनुबंध या फ्रीलांस काम करते है। इस में उबर, स्विगी और जोमैटो जैसे डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए अस्थायी, लचीले और प्रोजेक्ट-आधारित काम करने वाले भी शामिल हैं । ये नौकरियां लचीलापन प्रदान करती हैं , लेकिन इन लोगों को पारंपरिक रोजगार से जुड़े लाभों और सुरक्षाओं का अभाव होता है।

अगर वे काम नहीं करेंगे, तो उनके घर खाना नहीं पकेगा। यह उनके जीवन-यापन का एकमात्र साधन है। ऐसे लोग अकसर काफी गरीबी में जीने के लिए विवश होते हैं। साफ पानी जैसी आधारभूत सुविधाओं से वंचित झुग्गियों के घर टिन या तारपोलिन की छतों के नीचे तपती गर्मी झेलते हैं। चूंकि ये काम ज्यादातर खुले वातावरण में ही करने पड़ते हैं, तो भीषण गर्मी में इन लोगों के बीमार पड़ने का खतरा भी ज्यादा रहता है। ऐसे श्रमिकों को अक्सर स्वास्थ्य बीमा, सेवानिवृत्ति लाभ या सवेतन अवकाश की सुविधा नहीं मिलती, जिससे बीमारी या चोट के समय वे आर्थिक रूप से कमजोर हो जाते हैं। श्रमिकों की आय अत्यधिक परिवर्तनशील और अप्रत्याशित होती है, जिससे वित्तीय योजना बनाना मुश्किल हो जाता है। श्रमिकों को कठोर कार्य स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें चरम मौसम का सामना करना भी शामिल है इनको आमतौर पर स्वतंत्र ठेकेदारों के रूप में वगीकृत किया जाता है, जिससे उन्हें कई श्रम सुरक्षा से वंचित रखा जाता है जो औपचारिक कर्मचारियों को प्राप्त होती हैं।

ऐसे विपरीतस मय में श्रमिकों को संरक्षण और निष्पक्ष व्यवहार के लिए आवश्यक प्रबंध करने की जरूरत है। सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य लाभ के लिए वर्कर्स को स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व लाभ और पेंशन सहित सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करनाबहुत जरूरी है। उदाहरण के लिए: राजस्थान प्लेटफार्म आधारित वर्कर्स (पंजीकरण और कल्याण) विधेयक, 2023 का उद्देश्य वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, जो अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय मिसाल कायम करेगा।

- प्रियंका सौरभ

एलाइड ब्लेंडर्स का आईपीओ 25 जून को खुलेगा

नई दिल्ली । ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स का 1,500 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 25 जून को खुलेगा। कंपनी ने गुरुवार को इसके लिए मूल्य दायरा 267-281 रुपये प्रति शेयर तय किया। कंपनी ने कहा कि आईपीओ 25 से 27 जून तक खुला रहेगा। एंकर निवेशक 24 जून को शेयर खरीद सकेंगे। ब्रोकिंग कंपनियों ने निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 7,860 करोड़ रुपये बताया गया है। आरंभिक शेयर-बिक्री में 1,000 करोड़ रुपये मूल्य के नए इक्विटी शेयरों का निर्गम है। इसके अलावा, प्रवर्तकों द्वारा 500 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी है। नए निर्गम से प्राप्त 720 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कर्ज भुगतान के लिए किया जाएगा। इसके अलावा एक हिस्सा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाएगा। दिसंबर, 2023 तक कंपनी के खातों पर कुल कर्ज करीब 808 करोड़ रुपये था।

डीजीसीए ने समुद्री विमान परिचालन से जुडे नियम आसान बनाए

मुंबई । विमानन नियामक डीजीसीए ने सरकार की प्रमुख क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उड़ान के तहत समुद्री विमान परिचालन से जुड़े नियमों को आसान बना दिया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि संशोधित मानदंड बुनियादी ढांचा प्रक्रियाओं, पायलट प्रशिक्षण जरूरतों और विनियामक अनुपालन को सुव्यवस्थित करेंगे। इससे दूरदराज के क्षेत्रों तक समुद्री विमान सेवाओं के पहुंचने का रास्ता साफ होगा। संशोधित विनियमों में समुद्री विमान परिचालन के लिए आसान प्रशिक्षण आवश्यकताएं और सरलीकृत अनुमोदन प्रक्रियाएं शामिल की जाएंगी। डीजीसीए ने कहा` कि डीजीसीए कार्य समूह द्वारा उक्त विनियामक ढांचे को युक्तिसंगत बनाने और उसमें संशोधन की सिफारिश के बाद संशोधित विनियम लागू किए गए हैं। नए मानदंडों के तहत वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस (सीपीएल) वाले पायलट अब विश्व स्तर पर किसी भी आईसीएओ से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संगठन में प्रशिक्षण लेकर सीप्लेन-रेटेड पायलट के रूप में अर्हता प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा सहायक भूमिकाओं के लिए नए प्रशिक्षण अवसरों से देश भर में समुद्री विमान केंद्रों पर रोजगार मिलने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

आरबीआई ने द सिटी को-ऑपरेटिव बैंक, महाराष्ट्र का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक ने पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाओं के अभाव के कारण द सिटी को-ऑपरेटिव बैंक, महाराष्ट्र का लाइसेंस रद्द कर दिया। रिजर्व बैंक ने कहा कि महाराष्ट्र के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के पंजीयक को बैंक को बंद करने और एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने के लिए कहा गया है। परिसमापन पर, प्रत्येक जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से केवल पांच लाख रुपए की मौद्रिक सीमा तक अपनी जमा राशि की जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा। रिजर्व बैंक ने कहो ` कि बैंक के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 87 प्रतिशत जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी जमा राशि की पूरी राशि प्राप्त करने के हकदार हैं। डीआईसीजीसी ने 14 जून, 2024 तक बैंक के संबंधित जमाकर्ताओं से प्राप्त इच्छा के आधार पर कुल बीमित जमाराशियों में से 230.99 करोड़ रुपए का भुगतान पहले ही कर दिया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि मुंबई स्थित सहकारी बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं।

बजाज इलेक्ट्रिकल्स के शेयरों ने पिछले 4 साल में जोरदार रिटर्न दिया

- कंपनी के शेयरों ने दिया 350 फीसदी का रिटर्न, ब्रोकरेज ने कहा- अभी और ऊपर जाएगा

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिकल उत्पाद बनाने वाली कंपनी बजाज इलेक्ट्रिकल्स के शेयरों ने पिछले चार साल में जोरदार रिटर्न दिया है। 4 साल में कंपनी के शेयर 358 फीसदी तक ऊपर चढ़े हैं। वहीं पिछले 8 साल में यह शेयर 430 फीसदी ऊपर जा चुका है। इस समय शेयर की कीमत 1050 रुपये हो गई है। बुधवार को बजाज इलेक्ट्रिकल्स का शेयर 1.50 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ लेकिन ब्रोकरेज अभी इस शेयर में दम देख रहे हैं। एक घरेलू ब्रोकरेज फर्म ने कहा है कि इस शेयर में अभी बढ़त जारी रह सकती है। इलेक्ट्रिकल उत्पादों की बढ़ती मांग का लाभ कंपनी को मिलेगा। फास्ट मूविंग इलेक्ट्रिकल गुड्स के बाजार में कंपनी की पकड़ अच्छी है। ब्रोकरेज के अनुसार कंपनी की ग्रामीण क्षेत्रों में उसके समकक्षों के मुकाबले अच्छी पकड़ है और वहां मांग में सुधार का कंपनी को फायदा मिलेगा। कंपनी के पास अच्छा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क है। साथ ही कंपनी की 80 साल पुरानी विरासत है जिससे इसे लोगों का भरोसा भी मिलता है। ब्रोकरेज का मानना है कि अभी भी ये शेयर अपने समकक्षों के मुकाबले काफी कम पर कारोबार कर रहा है। उनका कहना है कि इसका मौजूदा प्राइस वित्त वर्ष 27 के ईपीएस (प्रति शेयर अर्निंग) से 28 गुना अधिक है जो इसी सेगमेंट की अन्य कंपनियों के मुकाबले कम है। ब्रोकरेज ने इसे बाय रेटिंग दी है। कंपनी को बीते वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में 1211 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिला था जबकि उससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 1313 करोड़ रुपये था। मार्च तिमाही में कंपनी को 29 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था जो एक साल पहले की समान तिमाही में 52 करोड़ रुपये था। मौजूदा शेयर प्राइस पर कंपनी का मार्केट कैप 12251 करोड़ रुपये है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । ऑयल मार्केटिंग कंपनियां वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों के आधार पर पेट्रोल-डीजल के दाम तय करती है। हर दिन सुबह 6 बजे इनके दाम अपडेट होते हैं। गुरुवार को भी सभी शहरों में पेट्रोल-डीजल के रेट अपडेट हो गए हैं। देश के सभी शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की दरें क्रमशः 94.76 रुपये और 87.66 रुपये प्रति लीटर हैं। वहीं अगर मुंबई की बात करें तो पेट्रोल 104.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये और डीजल की कीमत 92.32 रुपये है। जबकि कोलकाता में एक लीटर पेट्रोल 103.93 रुपये का और डीजल 90.74 रुपये में मिल रहा है।

सरकार ने दो देशों को 2,000 टन गैर-बासमती चावल निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली । सरकार ने दो अफ्रीकी देशों मलावी और जिम्बाब्वे को 2,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति प्रदान कर दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा है कि निर्यात को राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से अनुमति दी गई है। हालांकि घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन अनुरोध पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा दी गई अनुमति के आधार पर निर्यात की मंजूरी है। मलावी दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका में एक स्थलरुद्ध देश है, जबकि जिम्बाब्वे एक दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्र है। अधिसूचना के अनुसार दोनों देशों को 1,000 टन गैर-बासमती चावल के निर्यात की अनुमति दी गई। डीजीएफटी ने कहा` कि एनसीईएल अधिसूचना के माध्यम से मलावी और जिम्बाब्वे को गैर-बासमती सफेद चावल का निर्यात की मंजूरी। भारत ने पहले भी नेपाल, कैमरून, कोट डी आइवर, गिनी, मलेशिया, फिलीपींस और सेशेल्स जैसे देशों को ऐसे निर्यात की अनुमति दी है। एनसीईएल एक बहु-राज्य सहकारी समिति है। इसे देश की कुछ प्रमुख सहकारी समितियों द्वारा संयुक्त रूप से बढ़ावा दिया जाता है। इन समितियों में गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ), भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको), कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) हैं। जीसीएमएमएफ को अमूल के नाम से जाना जाता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ रिकार्ड 77,478 स्तर पर बंद

निफ़्टी भी उछलकर 23,567 पर पहुंचा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को रिकार्ड तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। विदेशी निवेशकों की खरीदारी से भी बाजार को बल मिला। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, और एचडीएफ़सी बैंक के शेयरों से भी बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 77,643.09 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद आज फीसदी करीब 141.34 अंक बढ़कर 77,478.93 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 0.22 फीसदी तकरीबन 51 अंक बढ़कर 23,567 अंक के रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में जेएसडब्ल्यू स्टील 1.67 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। इसके साथ ही टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक बैंक, एक्सिस बैंक, एशियन पेण्ट, एचडीएफसी बैंक के शेयर भी लाभ में रहे।

वहीं दूसरी ओर सनफार्मा का शेयर सबसे ज्यादा 2.24 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, एसबीआई, विप्रो, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, टाइटन, मारुति, बजाज फिनसर्व, टीसीएस के शेयर नीचे आये। जानकारों के अनुसार आज दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक जैसे शेयरों में खरीदारी से बाजार को बल मिला

दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का सियोल और जापान का टोक्यो बढ़ा है जबकि शंघाई और हांगकांग के बाजार नीचे आये हैं। यूरोपीय बाजारों में भी तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों की वजह से कारोबारी `दिन भारतीय शेयर बाजार में हल्की तेजी देखने को मिली। बाजार के प्रमुख इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान में कारोबार करते दिखे। बीएसई सेंसेक्स 77,400 के ऊपर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 50 23 अंक बढ़कर 23,539 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई लाइफ, एलएंडटी, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिंडाल्को, टाटा मोटर्स, और एमएंडएम बेंचमार्क पर शीर्ष बढ़त हासिल करने वाले शेयरों में शामिल थे, जो 1.7 फीसदी तक बढ़े। वहीं सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, डिविस लैब्स, नेस्ले इंडिया, और ओएनजीसी शीर्ष गिरावट वाले शेयरों में शामिल थे। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स अपरिवर्तित रहा, और बीएसई स्मॉलकैप ने 0.27 फीसदी की बढ़त हासिल की।

महाराष्ट्र में नया बंदरगाह बनाने 76,200 करोड़ का प्रस्ताव मंजूर

महाराष्ट्र में नया बंदरगाह बनाने 76,200 करोड़ का प्रस्ताव मंजूर

बंदरगाह परियोजना का निर्माण वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड करेगी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कई परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान कर दी गई है। मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र के वधावन में नया बंदरगाह बनाने के लिए 76,200 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके साथ मंत्रिमंडल ने वाराणसी हवाई अड्डे के विकास के लिए 2,869 करोड़ रुपये और अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 7,453 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। इस बंदरगाह परियोजना का निर्माण वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) करेगी जो जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) और महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (एमएमबी) की विशेष उद्देशीय इकाई (एसपीवी) है। इसमें जेएनपीए की 74 फीसदी और एमएमबी की 26 फीसदी हिस्सेदारी है। बयान में कहा गया है कि वधावन में बनने वाला यह बंदरगाह दुनिया के शीर्ष 10 बंदरगाहों में से एक होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि इस परियोजना से 12 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके साथ ही अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं को व्यवहारिक बनाने के लिए 7,453 करोड़ रुपये की योजना को भी मंजूरी मिली है। इस योजना में एक गीगावाट की अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना और चालू करने के लिए 6,853 करोड़ रुपये का परिव्यय तथा अपतटीय पवन ऊर्जा

परियोजनाओं की लॉजिस्टिक जरूरतों को पूरा करने के लिए दो बंदरगाहों के उन्नयन के लिए 600 करोड़ रुपये का अनुदान शामिल है। वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी में हवाई अड्डे के विकास में नए टर्मिनल भवन का निर्माण, पार्किंग और हवाई पट्टी का विस्तार, समानांतर टैक्सी ट्रैक और अन्य कार्य शामिल हैं। इस पर 2,869.65 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

इस माह उत्तर भारत में चाय उत्पादन छह करोड किलो कम होने का अनुमान

कोलकाता । उत्तर भारतीय चाय उद्योग को मौसम के अनुकूल नहीं होने से फसल वर्ष के जून तक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में छह करोड़ किलोग्राम उत्पादन में कमी आने का अनुमान है। एक चाय संगठन ने यह बात कही है। उत्तर भारतीय चाय उद्योग में शामिल असम और पश्चिम बंगाल के राज्य खतरनाक स्थिति का सामना कर रहे हैं। मई में अत्यधिक गर्मी और बारिश की कमी के साथ-साथ अत्यधिक बारिश और धूप की कमी ने उत्पादन को बुरी तरह प्रभावित किया है। भारतीय चाय संघ (टीएआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अनुमान लगाया कि पिछले वर्ष की तुलना में जून तक संयुक्त फसल का नुकसान छह करोड़ किलोग्राम हो सकता है। उन्होंने कहा कि संघ के सदस्य चाय बागानों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार असम और पश्चिम बंगाल के चाय बागानों में मई 2024 के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः लगभग 20 प्रतिशत और 40 प्रतिशत की कमी रहने का अनुमान है। भारतीय चाय बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल 2024 तक असम में उत्पादन में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग आठ प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में लगभग 13 प्रतिशत की गिरावट आएगी।

कई देश डॉलर से बनाना चाहते हैं दूरी, गिरती जा रही हिस्सेदारी

- वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में दुनिया के सेंट्रल बैंक्स में डॉलर का शेयर 58.4 फीसदी रह गया

मुंबई ।

अमेरिका की करेंसी डॉलर करीब आठ दशकों से दुनिया की इकॉनामी पर एकछत्र राज करती आई है। आपसी कारोबार के लिए दुनिया डॉलर पर ही निर्भर रहा है लेकिन अब कई देश डॉलर से दूरी बनाना चाहते हैं। यही वजह है कि दुनिया के सेंट्रल बैंक्स के रिजर्व में डॉलर की हिस्सेदारी लगातार गिरती जा रही है।` वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में दुनिया के सेंट्रल बैंक्स में डॉलर का शेयर 58.4 फीसदी रह गया है जो तीसरी तिमाही में 59.2 फीसदी था। साल 2000 में इसकी हिस्सेदारी 71 फीसदी थी। हालांकि यह अब भी दूसरे करेंसीज के मुकाबले कहीं आगे हैं। जैसे चीन की करेंसी युआन की हिस्सेदारी चौथी तिमाही में केवल 2.3 फीसदी थी जबकि यूरो की हिस्सेदारी करीब 20 फीसदी है। दूसरी ओर साल 2023 के अंत में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी 17.6 फीसदी पहुंच गई। यह 27 साल में सबसे ज्यादा है। साल 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो अमेरिका ने उस पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए। पश्चिमी देशों ने रूस का करीब आधा विदेशी मुद्रा भंडार फ्रीज कर दिया। रूस के प्रमुख बैंको को` स्विफट से हटा दिया गया। यह सिस्टम सीमा पार इंटरनेशनल पेमेंट की सुविधा है। चीन का पहले से ही अमेरिका से तनाव चल रहा है। उसे लग रहा है कि अमेरिका उसके साथ भी यही हथियार चल सकता है। इसे देखते हुए रूस और चीन अपना वित्तीय ढांचा तैयार करने में जुट गए। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनामी है, जबकि रूस दुनिया का सबसे बड़ा उर्जा `निर्यातक है। दोनों देश तेल के लिए युआन में भुगतान कर रहे हैं। सऊदी अरब भी कच्चे तेल

के बदले में चीन से युआन में भुगतान लेने को तैयार है। बाकी देश भी डॉलर का विकल्प सोच रहे हैं। इसमें अमेरिका के करीबी दोस्त भी शामिल हो रहे हैं। इससे डॉलर को झटका लगा है। इस बीच साल की पहली तिमाही में दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों ने रेकॉर्ड 290 टन सोना खरीदा। केंद्रीय बैंकों के भारी मात्रा में सोना खरीदने के कारण सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है।

सेबी ने रिलिगेयर को दिया ओपन ऑफर के लिए आवेदन करने का आदेश

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) रिलिगेयर एंटरप्राइजेज (आरईएल) को बर्मन पे रिवार की तरफ से ओपन ऑफर की वैधानिक मंजूरी के लिए 12 जुलाई से पहले आवेदन करने का निर्देश दिया है। पिछले साल सितंबर में बर्मन ग्रुप ने रेल में अतिरिक्त 5.7 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था, जिससे उनकी हिस्सेदारी 26 फीसदी से ज्यादा हो गई और ओपन ऑफर की जरूरत पड़ गई। हालांकि रेल ने सेबी को लिखा कि अधिग्रहणकर्ता फिट और उचित नहीं हैं और बोर्ड ने ओपन ऑफर के लिए आवेदन नहीं किया। सूत्रों के अनुसार बाजार` नियामक द्वारा इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोपों की अलग से जांच कर रहा है और ओपन ऑफर के इस आदेश में उस मामले का कोई जिक्र नहीं किया है। बर्मन समूह ने आरोप लगाया कि रिलिगेयर बोर्ड ओपन ऑफर में रुकावट डाल रहे थे, जबकि उन्होंने शिकायत की थी कि बर्मन पे रिवार अधिग्रहण के लिए फिट और उचित नहीं थी। सेबी ने कहा कि रेल ने कथित अनियमितताओं को साबित करने वाले कोई दस्तावेज या सबूत नहीं दिए हैं। सेबी ने कहा कि शेयरहोल्डर्स द्वारा उक्त अधिकार के प्रयोग को टारगेट कंपनी के मौजूदा मैनेजमेंट के डिजाइनों के लिए बंधक नहीं बनाया जा सकता है, खासकर ऐसे मामलों में जहां मौजूदा मैनेजमेंट अधिग्रहण करने वालों के प्रति दुश्मनी जैसा व्यवहार कर रहा हो और अधिग्रहण की सुविधा में हितों के टकराव का सामना करना पड़ रहा

हो। बाजार नियामक ने कहा कि नियंत्रण में प्रस्तावित बदलाव के कारण अधिग्रहणकर्ताओं द्वारा शेयरों या नियंत्रण को ओपन ऑफर में लाया जाएगा। नियम केवल कंपनी को ओपन ऑफर के लिए आवेदन करने और किसी यूनिट की हिस्सेदारी 26 फीसदी से पार होने पर मौजूदा शेयरहोल्डर्स को एग्जिट का विकल्प देने की अनुमति देते हैं।

वोडाफोन ने इंडस टावर्स में हिस्सेदारी बेचकर जुटाए 15,300 करोड़

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन की दूरसंचार दिग्गज वोडाफोन पीएलसी ने टावर मैनेजमेंट कंपनी इंडस टावर्स के 48.47 करोड़ शेयर बेचकर 15,300 करोड़ रुपये जुटा लिए। जेपी मॉर्गन के अनुसार यह राशि वोडाफोन समूह के मौजूदा लेनदारों के कर्ज भुगतान में जाएगी लेकिन इंडस टावर्स को खुद 4,250 करोड़ रुपये से कम राशि मिलेगी। हिस्सेदारी बिक्री के बाद इंडस टावर्स में वोडाफोन पीएलसी की हिस्सेदारी 21.5 फीसदी से घटकर 3.1 फीसदी रह गई है।

भारती एयरटेल ने एक्सचेंजों को सूचित किया है कि उसने 2.89 करोड़ शेयर का अधिग्रहण किया है और कंपनी की कुल हिस्सेदारी अब करीब 49 फीसदी हो गई है। वोडाफोन पीएलसी ने कहा कि उसे कुल 153 अरब रुपये प्राप्त हुए हैं। इसका उपयोग वोडाफोन के मौजूदा लेनदारों के कर्ज को चुकाने में होगा जो वोडाफोन की भारतीय परिसंपत्तियों के बदले ली गई 1.8 अरब यूरो की उधारी से संबंधित है। जेपी मॉर्गन ने कहा कि इंडस टावर्स का वोडाफोन पीएलसी की मूल 21 फीसदी हिस्सेदारी को इंडस टावर्स ने भी गिरवी रखा है। उन्होंने इंडस टावर्स के एक वरिष्ठ अधिकारी के साथ बैठक के बाद यह बात कही। विश्लेषक नोट में उसने कहा कि बिक्री के बाद वोडाफोन पीएलसी सबसे पहले प्राथमिक गिरवीदारों के बकाये का भुगतान करेगी और बाकी रकम इंडस टावर्स के बकाए में जाएगी जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर अधिकतम 4,250 करोड़ रुपये हो सकती है। भारती इन्फ्राटेल और इंडस टावर्स के विलय के दौरान तय सिक्योरिटी पैकेज में इस बात पर सहमति थी कि वोडाफोन पीएलसी की इंडस टावर्स में 21 फीसदी हिस्सेदारी उसके लेनदारों की तरफ से प्राथमिक गिरवी थी, जो वोडाफोन पीएलसी की तरफ से 2019 में आइडिया के राइट्स इश्यू में भागीदारी के लिए लिए गए 1.4 अरब डॉलर के कर्ज के बदले थी।

जगुआर लैंड रोवर 1.9 लाख करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स की लक्जरी वाहन कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने वित्त वर्ष 2028 तक करीब 1.9 लाख करोड़ रुपये लगाने की योजना बनाई है। इसका बड़ा हिस्सा नए उत्पाद बनाने में खर्च होगा। ब्रिटेन की यह कंपनी वित्त वर्ष 2026 तक 10 फीसदी एबिटा प्राप्त करना चाहती है। अप्रैल 2023 में जेएलआर ने वित्त वर्ष 2028 तक के पांच साल में 15 अरब पाउंड निवेश की योजना बनाई थी। कंपनी ने 2030 तक खुद को इलेक्ट्रिक फर्स्ट लक्जरी कंपनी को प्राथमिकता देने वाली कंपनी बनाने की घोषणा भी की थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में 3.3 अरब पाउंड निवेश किया और वित्त वर्ष 2025 के लिए 3.5 अरब पाउंड के निवेश का लक्ष्य रखा था। कंपनी द्वारा साझा की गई इन्वेस्टर डे 2024 की प्रस्तुति में कहा गया कि जेएलआर की नजर वित्त वर्ष 2025 में 8.5 फीसदी से अधिक एबिटा मार्जिन हासिल करने पर है। कंपनी वित्त वर्ष 2026 तक उसे बढ़ाकर 10 फीसदी करना चाहती है। जेएलआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पिछले साल कहा था कि कंपनी अपनी रीइमेजिन रणनीति के तहत 2030 तक इलेक्ट्रिक-फर्स्ट आधुनिक लक्जरी कार विनिर्माता के रूप में पहचान बनाएगी। उन्होंने कहा था कि कंपनी वित्त वर्ष 2025 तक नकदी के मोर्चे पर शुद्ध रूप से सकारात्मक स्थिति में पहुंच जाएगी और 2026 तक दो अंकों का एबिटा हासिल करने के अपने वित्तीय लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2024 में 29 अरब पाउंड की रिकॉर्ड आय के साथ जेएलआर ने दमदार प्रदर्शन किया।

टी20 विश्व कप सुपर आठ : दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड का मुकाबला आज

ग्रोस आइलेट (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट के सुपर आठ में शुक्रवार को इंग्लैंड का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। इस मुकाबले में जीतकर दोनो ही टीमें सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करने उतरेंगी। इससे पहले इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज जबकि दक्षिण अफ्रीका ने अमेरिका को हराया था। इस मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाजी आक्रमण की टक्कर दक्षिण अफ्रीका के ताकतवर गेंदबाजी आक्रमण से होगी। इंग्लैंड की टीम ग्रुप में नेट रनरेट प्लस 1.34 के आधार पर शीर्ष पर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका का नेट रनरेट उससे कम प्लस 0 . 90 है। ऐसे में अब दक्षिण अफ्रीका को हराने पर इंग्लैंड की सेमीफाइनल में जगह तकरीबन तय हो जाएगी।

वहीं दक्षिण अफ्रीका को सुपर आठ चरण के पहले मैच में अमेरिका से बड़ी मुश्किल से 18 रन से जीत मिली जबकि इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया था। इंग्लैंड ने जीत के 181 रन के लक्ष्य को फिल साल्ट के 47 गेंद में नाबाद 87 रन की मदद से 17.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया था। साल्ट एक बार फिर कप्तान जोस बटलर के साथ इंग्लैंड को शानदार शुरूआत दिलाना चाहेंगे।

वहं जॉनी बेयरस्टो ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 48 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की है। इससे पहले वह कुल 46 रन ही बना सके थे। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को हालांकि इस मैच में कगिसो रबाडा की रफ्तार और केशव महाराज की स्पिन से सावधान रहना होगा। इन दोनों ने अमेरिका के खिलाफ बीच के और डैथ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की थी।

दक्षिण अफ्रीका के लिए राहत की बात ये है कि क्विंटोन डिकॉक फॉर्म में आ गये हैं। डिकॉक ने अमेरिका के खिलाफ 40 गेंद में 74 रन बनाए। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में रोमांचक मुकाबला होना तय है।

टीम

इंग्लैंड = जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, मार्क वुड।

दक्षिण अफ्रीका = एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

प्रशंसक मुझे मैच बदलने वाले खिलाड़ी के तौर पर याद करेंगे : वार्नर

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)। इस विश्वकप के बाद खेल को अलविदा कहने जा रहे ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है कि वह अपने करियर में हमेशा ही आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। वार्नर के अनुसार को वाकई क्रिकेट को पसंद करते हैं वे उन्हें एक ऐसे आक्रामक बल्लेबाजी के तौर पर याद रखेंगे जो अपनी बल्लेबाजी से खेल को बदलने का प्रयास करता रहा है जिसमें वह कभी सफल तो कभी असफल हुआ है। वार्नर को साल 2018 के दक्षिण अफ्रीकी दौरे में गेंद से छेड़छाड़ मामले में भी फंसने के बाद एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया किया था हालांकि इसके बाद टीम में वापसी के करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था।

वार्नर ने कहा, 'वापसी करते हुए साल 2018 से मैं शायद अकेला ऐसा खिलाड़ी रहा हूं जिसने बहुत आलोचना झेली है। उन्होंने कहा, 'जब मैं वापस आया तो मेरे लिए चीजें आसान नहीं थी और मुझे यह पता था। वार्नर ने सभी प्रारूपों में 49 शतक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में करीब 19000 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से ही ऐसा व्यक्ति रहा हूं जिसने दबाव का सामना किया है। मुझे हमेशा ऐसा लगता है कि मैंने बहुत से लोगों से बहुत दबाव कम किया है और मुझे लगता है कि मैं इसे झेलने में सक्षम रहा हूं। साथ ही कहा कि अब संन्यास के कारण मैं इस प्रकार के दबाव से बच जाऊंगा।

विदेशी लीग क्रिकेट खेलने विलियम्सन नहीं कर रहे केन्द्रीय अनुबंध

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियम्सन ने केन्द्रीय अनुबंध करने से इंकार कर दिया है। इससे पहले तेज गेंदबाज टेंट बोल्ट ने भी लीग क्रिकेट खेलने के लिए अनुबंध ठुकरा दिया था। विलियम्सन ने कहा है कि वह 2024-25 सीजन के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का अनुबंध स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि वह विदेशी लीग क्रिकेट खेलना चाहते हैं। विलियम्सन विश्व के शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं उनका इस प्रकार अनुबंध न करना कीवी क्रिकेट के लिए बड़ा झटका है। क्रिकेट बोर्ड ने भी विलियम्सन के अनुबंध नहीं करने की बात मानी है। बोर्ड ने कहा है कि विलियम्सन अगले सत्र के लिए सेंट्रल अनुबंध नहीं करना चाहते पर वह तीनों फॉर्मेट के लिए उपलब्ध रहेंगे।

विलियम्सन पिछले एक दशक से न्यूजीलैंड क्रिकेट की बल्लेबाजी संभालते रहे हैं। वे न्यूजीलैंड के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। विलियम्सन ने 100 टेस्ट मैच में 32 शतकों की मदद से 8743 रन बनाए हैं। वहीं एकदिवसीय प्रारुप में उनके नाम 165 मैच में 6810 रन दर्ज हैं। उन्होंने 93 टी20 इंटरनेशनल मैच में 2575 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को हर प्रारुप में आगे ले जाना चाहता हूं और इसके लिए हर मदद करूंगा पर मैं गर्मियों के दौरान मैं विदेशी लीग में खेलने के मौके तलाशना चाहता हूं। इसलिए अनुबंध नहीं कर रहा हूं।'

वहीं इससे पहले बोल्ट ने करार छोड़कर अलग-अलग देशों की टी20 और टी10 लीग क्रिकेट खेलना शुरु कर दिया था पर वह किसी बड़ी सीरीज और आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए उपलब्ध रहे हैं।

सितंबर से शुरू होगा टीम इंडिया का टेस्ट सीजन, 5 टेस्ट का शैड्यूल आया बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट विश्व कप के बाद भारतीय क्रिकेट टीम टेस्ट सीजन के लिए तैयार होगी। विश्व कप के ठीक बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 टी20 मुकाबले होने हैं, बीसीसीआई यहां पर आईपीएल स्टार्स से भरी टीम भेजने की तैयारी में हैं। मुख्य प्लेयरों को इस जिम्बाब्वे के दौरे से दूर रखा जाएगा ताकि वह टेस्ट सीजन के लिए तैयारी कर सकें। आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत भारतीय टीम ने सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट और न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 टेस्ट खेलने हैं। पहला मुकाबला 19 सितंबर से शुरू होगा। चेन्नई और कानपुर में टेस्ट होंगे। इसके बाद धर्मशाला, दिल्ली और हैदराबाद में तीन टी20 मैच खेले जाएंगे।

न्यूजीलैंड का भारत का टेस्ट दौरा 16 अक्टूबर को बेंगलुरु में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगा। पुणे दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा जबकि अंतिम टेस्ट मुंबई में होगा। 5 मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने के बाद भारत 22 जनवरी से 12 फरवरी तक खेली जाने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की मेजबानी करने के लिए स्वदेश लौटेगा जिसमें 5 टी20ई और 3 वनडे शामिल हैं। ञ्च20ढ्ढ चेन्नई, कोलकाता, राजकोट, पुणे और मुंबई में आयोजित किए जाएंगे। नागपुर, कटक और अहमदाबाद तीन वनडे मैचों की मेजबानी करेंगे।

भारत का 2024-25 घरेलू सीजन

बांग्लादेश का भारत दौरा

पहला टेस्ट : चेन्नई : 19 सितंबर से 23 सितंबर, सुबह 9:30 बजे

दूसरा टेस्ट : कानपुर : 27 सितंबर से 1 अक्टूबर, सुबह 9:30 बजे

पहला टी-20 : धर्मशाला: 6 अक्टूबर, शाम 7:00 बजे

दूसरा टी20आई : दिल्ली : 9 अक्टूबर, शाम 7:00 बजे

तीसरा टी20आई : हैदराबाद :12 अक्टूबर, शाम 7:00 बजे

न्यूजीलैंड का भारत दौरा

पहला टेस्ट : बेंगलुरु : 16 अक्टूबर से 20 अक्टूबर, सुबह 9:30 बजे

दूसरा टेस्ट : पुणे : 24 अक्टूबर से 28 अक्टूबर, सुबह 9:30 बजे

तीसरा टेस्ट : मुंबई :1 नवंबर से 5 बजे, सुबह 9:30 बजे तक

इंग्लैंड का भारत दौरा

पहला टी-20: चेन्नई : 22 जनवरी, शाम 7:00 बजे

दूसरा टी20आई : कोलकाता : 25 जनवरी, शाम 7:00 बजे

तीसरा टी-20 : राजकोट : 28 जनवरी, शाम 7:00 बजे

चौथा टी-20 : पुणे : 31 जनवरी, शाम 7:00 बजे

5वां टी20आई : मुंबई : 2 फरवरी, शाम 7:00 बजे

पहला वनडे : नागपुर : 6 फरवरी, दोपहर 1:30 बजे

दूसरा वनडे : कटक : 9 फरवरी दोपहर 1:30 बजे

तीसरा वनडे : अहमदाबाद : 12 फरवरी दोपहर 1:30 बजे

हंगरी को हराकर जर्मनी ने यूरो कप के नॉकआउट चरण में किया प्रवेश

लीपजिग । जर्मनी ने जमाल मुसियाला के शानदार गोल की बदौलत यूरो कप के ग्रुप ए के मुकाबले हंगरी को 2-0 से हराकर नॉकाआउट चरण में प्रवेश कर लिया है। बुधवार की रात खेले गये मुकाबले में अपने घरेलू मैदान में खेल रहे मुसियाला ने पहले हाफ के 22वें मिनट में गोल दाग कर जर्मनी को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में जर्मनी के कप्तान इल्के गुंडोगन ने 67वें मिनट में एक आसान गोल कर बढ़त को दो गुना कर दिया। यूरो कप के दो मुकाबले बराबरी पर समाप्त हुए। क्रोएशिया और अल्बानिया के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 की बराबरी पर रहा। वहीं स्कॉटलैंड और स्विट्जरलैंड के बीच खेला गया मुकाबला भी 1-1 से ड्रॉ रहा।

अगले माह जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं श्रेयस

मुम्बई । पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी करीब है। अगर गौतम गंभीर मुख्य कोच बनते हैं तो उन्हें टीम में जगह मिलना तय है। ऐसे में श्रेयस जुलाई अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं। श्रेयस को 5 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली 5 मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भी चुना जा सकता है पर श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए उन्हें जगह मिलने की ज्यादा उम्मीदें हैं। गंभीर आईपीएल में केकेआर के मेंटोर थे जबकि श्रेयस कप्तान। ऐसे में दोनों में अच्छा तालमेल है। श्रेयस को रणजी ट्रॉफी खेलने से आनाकानी करने के कारण बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से भी बाहर कर दिया गया था पर अब वह भी उन्हें दिया जा सकता है। जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 टी20 मैचों की श्रृंखला के लिये टीम की घोषणा अगले सप्ताह होगी। ऐसी संभावना है कि श्रेयस को श्रीलंका में 3 मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भी शामिल किया जा सकता है। उसने विश्व कप में 500 से अधिक रन बनाए थे और उसका औसत 50 के करीब है। वहीं माना जा रहा है कि कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ी अब एकदिवसीय और टेस्ट पर ही ध्यान देंगे।

भारत/जिम्बाब्व टी20 सीरीज में वीवीएस लक्ष्मण होंगे कोच, गंभीर श्रीलंका दौरे से संभालेंगे कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीवीएस लक्ष्मण और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में उनका सहयोगी स्टाफ छह जुलाई से शुरू हो रही 5 मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम के साथ यात्रा कर सकता है जबकि गौतम गंभीर के कोच के तौर पर अपना कार्यकाल श्रीलंका दौरे से शुरू करने की उम्मीद है। जिम्बाब्वे श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा इस हफ्ते के अंत में होगी जो 22 या 23 जून को हो सकती है। आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ी और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (क्चष्टष्ठ) के 'टारगेट% सूची वाले खिलाड़ी इस समय एनसीए में लक्ष्मण की देखरेख में शिविर में हिस्सा ले रहे हैं।

गंभीर महिला टीम के पूर्व मुख्य कोच डब्ल्यूवी रमन को पछाड़कर इस समय सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच बनने के प्रबल दावेदार हैं। घोषणा महज औपचारिकता होगी और इसकी घोषणा अगले कुछ दिन में हो सकती है। गंभीर को बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण कोच सहित अपना सहयोगी स्टाफ चुनने का मौका भी मिलेगा। समझा जा सकता है कि गंभीर अपना कार्यकाल जुलाई के मध्य से शुरू कर सकते हैं जब भारतीय टीम सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए श्रीलंका दौरा करेगी जिसमें उसे तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे खेलने हैं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा कि ऐसी संभावना है कि लक्ष्मण एनसीए के कुछ कोच के साथ युवा चेहरों से भरी टीम के साथ जिम्बाब्वे की यात्रा कर सकते हैं। राहुल द्रविड़ और अन्य कोच जब अपने कार्यकाल के दौरान ब्रेक लेते थे तो लक्ष्मण और एनसीए की टीम ने हमेशा उनकी जिम्मेदारी उठायी है। यह भी तय है कि युवा टीम को ही जिम्बाब्वे भेजा जाएगा लेकिन इसमें टी20 विश्व कप दल के 6 से 7 सदस्य शामिल होंगे। पर रियान पराग, अभिषेक शर्मा और आल राउंडर नितीश रेड्डी को चुनना निश्चित लग रहा है लेकिन यश दयाल और हर्षित राणा को भी पहली दफा मौका मिल सकता है।

टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या हो सकते हैं, अगर उन्होंने आराम देने की मांग नहीं की, वर्ना सूर्यकुमार यादव को यह जिम्मेदारी दी जा सकती है जिन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैच और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसकी सरजमीं पर हुई श्रृंखला में टी20 टीम की अगुआई की थी।

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण विजेता एथलीटों पर बरसेगा धन

पेरिस । पेरिस ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले एथलीटों को इसबार काफी लाभ होगा। इसका कारण है कि विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) ने ट्रैक एवं फील्ड के 48 स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को 50,000 डॉलर करीब 41.60 लाख रुपये की पुरस्कार राशि देने की बात कही है। इस प्रकार डब्ल्यूए ओलंपिक खेलों में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ भी बन जाएगा। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि की शुरुआत एथलेटिक्स के महत्व को देखते हुए की गयी है। साथ ही कहा कि हमने उन एथलीट की सहायता का फैसला किया है जो अपने प्रदर्शन से खेलों को वैश्विक स्तर पर सफल बनाते हैं। उन्होंने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के राजस्व आवंटन से कुल 2.4 मिलियन डॉलर लगभग 18.63 अरब रुपये पुरस्कार के लिए रखे गये है, जो हर चार साल में विश्व एथलेटिक्स को मिलता है। इसका उपयोग 48 एथलेटिक्स खेलों में से स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीटों को 50,000 डॉलर की राशि देकर किया जाएगा।'' इसके अलावा रिले टीमों को भी इसी राशि से सम्मानित किया जायेगा, जिसे टीम के सभी खिलाड़ी आपस में साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक से जुड़ी पुरस्कार राशि के प्रारूप और संरचना की घोषणा खेलों के समय के करीब की जाएगी। इस पुरस्कार राशि का भुगतान हालांकि विश्व एथलेटिक्स की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा, जिसमें सामान्य डोपिंग रोधी प्रक्रियाओं से गुजरने और अन्य जरूरी प्रक्रिया का पालन करने वाले एथलीटों को ही शामिल किया जाएगा।

टी20 क्रिकेट के लायक नहीं बाबर : सहवाग

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम टी20 क्रिकेट के लायक नहीं हैं। उनके पास वह तेजी नहीं है जो इसके लिए जरुरी है। टी20 विश्वकप में पाक टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही आजम आलोचना का शिकार हुए हैं। पाक टीम टी20 विश्वकप में सुपर आठ में भी नहीं पहुंच पायी है। उसे अमेरिका से भी हार झेलनी पड़ी है। इस टूर्नामेंट के दौरान बाबर अपने कम स्ट्राइक रेट को लेकर भी निशाने पर रहे हैं। इसी को लेकर सहवाग ने कहा कि बाबर टी20 टीम के योग्य नहीं हैं। बाबर ने चैंपियंस 2017 ट्रॉफी 2017 और टी20 विश्व कप में 2022 में अच्छा खेल दिखाया पर अब उनका फार्म चला गया है। सहवाग ने एक शो के दौरान कहा कि बाबर उस तरह के बल्लेबाज नहीं हैं जो छक्के मार सकें। वह ऐसा तभी करते हैं जब वह सेट होते हैं और स्पिन गेंदबाजी का सामना करते हैं। मैंने उन्हें कभी भी पिच पर आगे बढ़ते या तेज गेंद मारते नहीं देखा। यह उसका खेल नहीं है। वह सुरक्षित क्रिकेट खेलता है, इसलिए वह लगातार रन बनाता है पर उसका स्ट्राइक रेट अच्छा नहीं है। एक कप्तान के रूप में आपको यह देखना होगा कि क्या यह खेल टीम के लिए अहम है। यदि नहीं, तो उन्हें निचले क्रम पर उतरते हुए किसी और को भेजना चाहिये जो पावरप्ले में बड़े शॉट मार सके और टीम को 50-60 रन दे सके।

न्यूजीलैंड के लिये तीनों प्रारूपों में खेलने हमेशा तैयार हूं : विलियमसन

वेलिंगटन (एजेंसी)। टी20 विश्वकप के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने वाले बल्लेबाज केन विलियमसन ने कहा है कि वह अब लीग क्रिकेट खेलेंगे पर जब भी देश को जरुरत होगी वह राष्ट्रीय टीम से खेलने के लिए तैयार रहेंगे। विलियमसन ने कहा है कि राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलना उनकी पहली पसंद और प्राथमिता बनी रहेगी। विलियमसन ने कहा है कि अगले साल एसए 20 लीग खेलने के लिए ही उन्होंने केंद्रीय अनुबंध नहीं किया है पर कहा कि वह न्यूजीलैंड के लिये तीनों प्रारूपों में खेलने के लिए कभी भी तैयार रहेंगे। एसए 20 नौ जनवरी से आठ फरवरी 2025 के बीच खेली जायेगी और इसी दौरान न्यूजीलैंड में सुपर स्मैश भी होना है।

न्यूजीलैंड के नियमों के अनुसार केंद्रीय अनुबंध वाले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने की दिशा में सुपर स्मैश में खेलना अनिवार्य रहता है। विलियमसन ने टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद स्वदेश लौटने पर कहा, 'मैं जब तक खेल सकता हूं, खेलना चाहता हूं। उस दौरान कई बेहतरीन टूर्नामेंट है पर एसए 20 अभी अच्छा लग रहा है। इसके लिए मुझे केंद्रीय अनुबंध ठुकराना होगा। विलियमसन ने सीमित ओवरों की कप्तानी भी छोड़ दी है लेकिन यह कहा कि अभी उनका अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'मेरी प्राथमिकता न्यूजीलैंड के लिए खेलना बना रहेगा । तीन सप्ताह के दौरान मैं कुछ मैचों से बाहर रह सकता हूं। इससे साफ है कि वह जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 श्रृंखला नहीं खेलेंगे। वह हालांकि सितंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे।

भारतीय तीरंदाज विश्व कप में पदक से चूके, ओलंपिक टीम कोटा हासिल करने पर निगाहें

अंताल्या (तुर्की) (एजेंसी)। भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीमों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा जिससे दोनों बृहस्पतिवार को यहां विश्व कप के तीसरे चरण में पदक से चूक गयीं लेकिन अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक टीम कोटा हासिल करने के करीब हैं। विश्व कप के तीसरे चरण में भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही जबकि पुरुष टीम अंतिम 16 तक पहुंची। अब दोनों टीमों को सोमवार तक का इंतजार करना होगा जब विश्व तीरंदाजी द्वारा रैंकिंग के आधार पर आधिकारिक सूची की घोषणा की जाएगी।

नए नियम के अनुसार रैंकिंग से उन दो शीर्ष देशों को ओलंपिक कोटा दिया जाता है जो ओलंपिक क्वालीफायर के जरिए कोटा हासिल नहीं कर सके। इस विश्व कप से पहले अंताल्या में फाइनल ओलंपिक क्वालीफायर कराया गया था। भारत ने धीरज बोम्मादेवरा और भजन कौर की बदौलत क्रमश- पुरुष और महिला वर्ग का ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है। क्वालीफाई नहीं करने वाले देशों में भारत को शीर्ष दो रैंकिंग में बने रहने के लिए टीम स्पर्धाओं में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत थी ताकि वे कट हासिल कर सकें।

टीम कोटे से भारत अगले महीने पेरिस ओलंपिक में सभी पांच स्पर्धाओं (पुरुष और महिला टीम, व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पधा) में हिस्सा लेने में सफल रहेगा। भारतीय पुरुष टीम रैंकिंग में दक्षिण कोरिया के बाद दूसरे नंबर पर है। दक्षिण कोरिया पहले ही क्वालीफाई कर चुका है। भारतीय महिला टीम रैंकिंग में आठवें नंबर पर है जबकि शीर्ष सात देश दक्षिण कोरिया, चीन, जर्मनी, फ्रांस, मेक्सिको, अमेरिका और चीनी ताइपे पहले ही क्वालीफायर से ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं।

विश्व कप का तीसरा चरण रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई करने के लिए अंतिम मौका था। भजन कौर, दीपिका कुमारी और अंकिता भकत की महिला तिकड़ी ने यूक्रेन को 5-3 (53-52, 53-54, 57-54, 53-53) से हराया और अपना स्थान पक्का करने के लिए उन्हें एक और जीत की दरकार थी। पर सेमीफाइनल में उन्हें ओलंपिक के मेजबान देश फ्रांस से शूटऑफ में 4-5 (52-59, 56-57, 58-55, 57-53) (25-28) से पराजय मिली। कांस्य पदक के प्लेऑफ में भारतीय तिकड़ी जापान से सीधे सेट में 0-6 (51-55, 53-54, 53-54) से हार गयी। धीरज, तरूणदीप राय और प्रवीण जाधव की पुरुष तिकड़ी प्री क्वार्टरफाइनल में नीदरलैंड से 1-5 (58-58, 53-54, 57-58) से पराजित हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नियमित योग से बने शरीर के साथ मानसिक रूप से भी मजबूत

योग के महत्व को अब संपूर्ण विश्व जानने लगा है। नियमित योग करते रहने से जहां आप शारीरिक रूप से सेहतमंद बने रह सकते हैं वहीं आप मानसिक रूप से भी मजबूत बन सकते हैं। मन की मजबूत से ही जीवन में सफलता मिलती है। आओ जानते हैं कि किस तरह होगा यह संभव।

1.योगासन

बचपन में हमारा शरीर लचकदार था। उम्र बड़ने के साथ हड्डियां कड़क होती गई। हार्ड बोन के टूटने का खतरा भी बढ़ जाता है। एक बच्चा जब छोटी-मोटी जगह से गिरता है तो फ्रेक्चर होने के कम चांस है, लेकिन जवान व्यक्ति जब गिरता है तो फ्रेक्चर होने के चांस ज्यादा होते हैं। योग हमारी हड्डियों को फिर से लचकदार बनाकर लंबे समय तक उनके कैल्शियम के क्षरण को रोकता है।

योगासन का शरीर लचीला और सॉफ्ट होता है। इसे अतिरिक्त भोजन की आवश्यकता नहीं होती और यह सभी तरह के रोग से बचने की क्षमता रखता है। लगातार योग करने के बाद योग छोड़ भी देते हैं तो इससे शरीर में किसी भी प्रकार का ढलाव नहीं आता और हाथ-पैर में दर्द भी नहीं होता। जब स्फूर्ती दिखाने का मौका होता है तो यह शरीर एकदम से सक्रिय होने की क्षमता रखता है।

यदि आहार नियम का पालन करते हुए लगातार सूर्य नमस्कार के साथ आप योग के प्रमुख आसन करते रहते हैं तो 4 माह बाद आपका शरीर एकदम लचीला होकर स्वस्थ हो जाएगा। आप हरदम एकदम तरो-ताजा और खुद को युवा महसूस करेंगे। योगासनों के नियमित अभ्यास से मेरूदंड सुदृढ़ बनता है जिससे शिराओं और धमनियों को आराम मिलता है। शरीर के सभी अंग-प्रत्यंग सुचारु रूप से कार्य करते हैं। यही मस्तिष्क को सुदृढ़ करने का प्रारंभिक चरण है।

2. प्राणायाम

मस्तिष्क की कार्य क्षमता और मजबूती बढ़ती है प्राणायाम से। इससे मस्तिष्क में ऑक्सिजन का लेवल बढ़ जाता है। प्राणायाम करते रहने से मन में कभी भी उदासी, खिन्नता और क्रोध नहीं रहता है। मन हमेशा प्रसन्नचित्त रहता है जिसके चलते आपके आसपास एक खुशनुमा माहौल बन जाता है। आप जीवन में किसी भी विपरीत परिस्थिति से हताश या निराश नहीं होंगे। आप चाहें तो ध्यान को भी अपनी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाकर मस्तिष्क को और भी मजबूत कर सकते हैं।

मस्तिष्क में किसी भी प्रकार का द्वंद्व और विकार नहीं रहता है। व्यक्ति की सोच बहुत ही विस्तृत होकर परिष्कृत हो जाती है। परिष्कृत का अर्थ साफ-सुथरी व स्पष्ट। ऐसे में व्यक्ति की बुद्धि बहुत तीक्ष्ण हो जाती है तथावह जो भी बोलता है, सोच-समझकर ही बोलता है। भावनाओं में बहकर नहीं बोलता है। योग करते रहने का प्रभाव यह होता है कि शरीर, मन और मस्तिष्क के ऊर्जावान बनने के साथ ही आपकी सोच बदलती है। सोच के बदलने से आपका जीवन भी बदलने लगता है। योग से सकारात्मक सोच का विकास होता है।

यदि किसी भी प्रकार का मानसिक रोग है तो वह मिट जाएगा, जैसे चिंता, घबराहट, बेचैनी, अवसाद, शोक, शंकालु प्रवृत्ति, नकारात्मकता, द्वंद्व या भ्रम आदि। एक स्वस्थ मस्तिष्क ही खुशहाल जीवन और उज्ज्वल भविष्य की रचना कर सकता है। योग से जहां शरीर की ऊर्जा जाग्रत होती है, वहीं हमारे मस्तिष्क के अंतरिम भाग में छिपी रहस्यमय शक्तियों का उदय होता है। जीवन में सफलता के लिए शरीर की सकारात्मक ऊर्जा और मस्तिष्क की शक्ति की जरूरत होती है। यह सिर्फ योग से ही मिल सकती है, अन्य किसी कसरत से नहीं।

3. ध्यान

लगातार ध्यान करते रहने से कम होने लगते हैं मन में विचार, श्वास-प्रश्वास में होता सुधार, सकारात्मक सोच का होता है निर्माण, अनावश्यक भय, चिंता और डिप्रेशन होता है दूर और मस्तिष्क में होता है प्राणों का संचार। साथ ही ब्लड प्रेशर होता नियंत्रित, मोमोरी पॉवर बढ़ती, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती, आंखों की ज्योति बढ़ती और मन होता है मजबूत।

मस्तिष्क और मन को निरोग रखता है योग

योग हमारा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान है। योग की सार्थकता को दुनिया के कई धर्मों ने स्वीकार किया है। योग सिर्फ व्यायाम का नाम नहीं है बल्कि मन, मस्तिष्क, शारीरिक और विकारों को नियंत्रित करने का माध्यम भी है। जब समाज अच्छा होगा तो देश की प्रगति में हमारा अहम योगदान होगा। 21 जून यानी की आज विश्व योग दिवस है। पहली बार यह 2015 को मनाया गया। यह भारत के प्रयास से ही सफल हो सका है। पूरी दुनिया आज योग और प्राणायाम की तरफ बढ़ रही है। योग भारत के लिए आने वाले दिनों में बड़ा बाजार साबित हो सकता है। विश्व के लगभग 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे हैं। योग को अब वैश्विक मान्यता मिल गई है। कोरोना संक्रमण काल में भी योग हमारे लिए संजीवनी साबित हो रहा है। हम योग को अपना कर इस महामारी में भी अपने स्वस्थ रख सकते हैं।

भगवान कृष्ण ने गीता में स्वयं कहा है कि 'योगः कर्मसु कौशलम' यानी हमारे कर्मों में सर्वश्रेष्ठ योग है। योग यज्ञ है और यज्ञ कर्म है। योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साध्य भी है। योगेश्वर भगवान कृष्ण ने योग को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने कहा है कि 'योगस्थः कुरु कर्माणि' इसका तात्पर्य है कि योग में स्थिर होकर ही सद्चित कर्म संभव है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है।

भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है। 11 दिसम्बर 2014 को इसका प्रस्ताव दिया था। अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के 177 देशों ने भारत के पक्ष में वोट किया था, जिसके बाद भारत दुनिया का विश्वगुरु बन गया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 90 दिनों के भीतर पीएम मोदी के प्रस्ताव को मंजूर किया। हम योग के 21 आसनों को अपनाकर अपनी जिंदगी को सुखी, शांत और निरोगी बनाकर खुशहाल जीवन जी सकते हैं। जब हम तन और मन से स्वस्थ रहेंगे तो राष्ट्र निर्माण और उसके विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं।

योगगुरु बाबा रामदेव योग को वैश्विक मान्यता मिलने पर इसे भारत की जीत बताया था। दुनिया योग को अपने जीवन की दिनचर्या बना लिया है। योग संपूर्ण जीवन और चिकित्सा पद्धिति बन गया है। दुनिया में शांति युद्ध से नहीं योग से आएगी। भारत के साथ दुनिया में 20 करोड़ से अधिक लोग योग साधना का लाभ उठा रहे हैं। आधुनिक युग की व्यस्त दिनचर्या में योग हमारे लिए अमृत है। अपनी जिंदगी को खुशहाल और डिप्रेशन मुक्त बनाने के लिए योग हमें खुला आकाश देता है। हम धर्म, जाति, भाषा, संप्रदाय के साथ बंधकर स्वयं के साथ देश का अहित करेंगे।

योगशास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। योगशास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। चित्त की निरुद्ध अवस्था लययोग में आती है। राजयोग सभी योगों से श्रेष्ठ बताया गया है। महर्षि पतंजलि की योग परंपरा भारत में अधिक संमृद्धशाली है। योगगुरु बाबा रामदेव आज पतंजलि योग व्यवस्था के संवाहक बने है। दुनिया भर में योग की महत्व स्थापित करने में पतंजलि योग संस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

योग और आयुर्वेद को उन्होंने वैश्विक स्वीकारोक्ति बना दिया है। पतंजलि योग साधना के आठ आयाम हैं। जिसमें यम, नियम, आसन, प्रणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि है। योग का संबंध सिंधु घाटी सभ्यता से भी है। प्राचीन काल की कई मूर्तियां योग मुद्रा में स्थापित हैं। भगवान शिव को योग मुद्रा में देखा जा सकता है। बुद्ध की मूर्तियां भी योग साधना में स्थापित हैं। बौद्ध और जैनधर्म में भी योग की महत्ता पर काफी कुछ है। बौद्ध और धर्म के अलावा ईसाई और इस्लाम में सूफी संगीत परंपरा में भी योग की बात आई हैं। भारत की योग व्यस्था को पटल पर लाने में योग गुरु बाबा रामदेव और बीकेएस अंयगर के योगदान को नहीं भूलाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से संयुक्तराष्ट्र संघ ने भी योग के महत्व को स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री मोदी योग को लेकर स्वयं बेहद जागरूक है। वह योग करते हुए अपने कई वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। फिट इंडिया, हिट इंडिया उनका मूलमंत्र है। इसके साथ वह लोगों से अपील करते हैं कि आप योग के जरिए अपने मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखें, जिससे आपका सहयोग देश के विकास में अच्छे तरीके से हो।

विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम तनाव की जिंदगी दे रहा है। जिंदगी की गति अधिक तेज हो चली है। लोगों के जीने का नजरिया बदल रहा है। काम का अधिक दबाव बढ़ रहा है इससे हाईपर टेंशन, और दूसरी बीमारियां फैल रही हैं। तनाव का सबसे बेहतर इलाज योग विज्ञान में हैं, वहीं लोगों में सुंदर दिखने की बढ़ती ललक भी योग और आयुर्वेद विज्ञान को नया आयाम देगी। यह पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। आम आदमी के जिंदगी में तनाव तेजी से बढ़ रहा है।

पूरी जिंदगी असंमित हो गई है, जिसकी वजह से परिवार में तनाव और झगड़े होते हैं। लोगों के पास आज पैसा है लेकिन शांति नहीं है, जिसकी वजह से परिवार में संतुलन गायब है। लोग खुद से संतुष्ट नहीं है। इस स्थिति से निकालने के लिए योग सबसे बेहतर उपाय हो सकता है। इसलिए भाग दौड़ की जिदंगी को अगर संयमित और संतुलित करना है तो मन को स्थिर रखना होगा। जब तक हमें मानसिक शांति नहीं मिलेगी तब तक हम जीवन के विकारों से मुक्त नहीं हो सकते हैं। उस स्थिति में योग ही सबसे सरल और सुविधा युक्त माध्यम हमारे पास उपलब्ध है।

हमारी हजारों साल की वैदिक परंपरा को वैश्विक मंच मिला है। योग का प्रयोग अब दुनिया भर में चिकित्सा विज्ञान के रूप में भी होने लगा है, उसे स्थिति हमें अपने जीवन के साथ जीने का नजरिया भी बदलना होगा। योग से संबंधित यूनिवर्सिटी, शोध संस्थान, आयुर्वेद मेडिसिन उद्योग नई उम्मीदें और आशाएं लेकर आएगा। भारत और दुनिया भर में योग के लिए संस्थान स्थापित हुए हैं। योग को पर्यटन उद्योग के रूप में विकसित किया जा सकता है। योग स्वस्थ दुनिया की तरफ बढ़ता कदम है।

सुबह की शुरुआत प्राणायाम के साथ कीजिए

प्राणायाम अष्टांग योग का चौथा अंग है। जब तक शरीर में प्राणवायु है तब तक ही आयु है। प्राचीन ऋषि वायु के इस रहस्य को समझते थे तभी तो उन्होंने बढ़ती उम्र को रोक देने का शॉर्ट कट निर्मित किया। श्वास को लेने और छोड़ने के दरमियान घंटों का अंतराल प्राणायाम के अभ्यास से ही संभव हो पाता है। कछुए की सांस लेने और छोड़ने की गति इंसानों से कहीं अधिक दीर्घ है। व्हेल मछली की उम्र का राज भी यही है। प्राणायम के माध्यम से आपने यदि सांसों को साथ लिया तो आपकी आयु भी बढ़ जाएगी और कभी कोई रोग नहीं होगा। आओ जानते हैं कि कैसे साधें सांसों को।

सुबह की शुरुआत अनुलोम विलोम से करें- प्राणायाम करते समय 3 क्रियाएं करते हैं- 1.पूरक, 2.कुंभक और 3.रेचक। अनुलोम विलोम में कुंभक नहीं करते हैं। मतलब श्वास लेना और छोड़ना होता है। श्वास लेने की क्रिया को पूरक और श्वास छोड़ने को रेचक कहा जाता है। श्वास अंदर रोकने की क्रिया को कुंभक कहते हैं। अंदर रोके या श्वास बाहर छोड़कर रोक लें। रोकने की क्रिया करते हैं तो नाड़िशोधन प्राणायाम होगा। फेफड़ों के भीतर वायु को नियमानुसार रोकना, आंतरिक और पूरी श्वास बाहर निकालकर वायुरहित फेफड़े होने की क्रिया को बाहरी कुंभक कहते हैं। अनुलोम विलोम में हमें श्वास को रोकना नहीं है बस नियम से लेना और छोड़ना है।

कैसे करें अनुलोम और विलोम?

1. सबसे पहले आसन पर आलकी-पालकी मारकर शुद्ध वायु में बैठ जाएं।
2. इसके बाद दाएं अंगूठे से अपनी दाहिनी नाक को बंद करें। इस दौरान तर्जनी अंगुली को अंगूठे के नीचे के हिस्से पर हल्के से दबाकर रखें।
3. अब बाईं नासिका से श्वास को भीतर तक खींचे और फिर अनामिका अंगुली से बाईं नासिका को बंद करके अंगूठे को दाईं नासिका से हटाकर श्वास छोड़ दें।
4. अब दाईं नासिका से श्वास को भीतर तक खींचे और फिर अंगूठे से दाईं नासिका बंद करने के बाद अनामिका अंगुली को बाईं नासिका से हटाकर श्वास छोड़ दें।
5. अब बाईं नासिका से श्वास को भीतर तक खींचे और फिर अनामिका अंगुली से बाईं नासिका को बंद करके अंगूठे को दाईं नासिका से हटाकर श्वास छोड़ दें।

अवधिः इसी प्रक्रिया को कम से कम 5 मिनट तक दोहराते रहें। मतलब बाईं नाक से श्वास लेकर दाईं से छोड़ना और दाईं से श्वास लेकर बाईं से छोड़ना। यही अनुलोम विलोम प्राणायाम है।

इसके 10 फायदे

1. इससे तनाव, चिंता और अवसाद घटता है और शांति मिलती है।
2. यह मस्तिष्क और फेंफड़ों में ऑक्सिजन का लेवल बढ़ा देता है।
3. इसे नियमित करने से नेत्र ज्योति बढ़ती है
4. इससे रक्त संचालन सही बना रहता है।
5. मस्तिष्क के सभी विकारों को दूर करने में यह प्राणायम सक्षम है।
6. फेंफड़ों में जमा गंदगी बहार होती है और फेंफड़े मजबूत बनते हैं।
7. अनिद्रा रोग में यह प्राणायाम लाभदायक है।
8. इस प्राणायाम को करते समय यदि पेट तक श्वास खींची जाए तो यह पाचन क्रिया को मजबूत बनाता है। डाइजेशन सही होता है।
9. इससे नकारात्मक चिंतन से चित्त दूर होकर आनंद और उत्साह बढ़ जाता है।
10. अस्थमा, एलर्जी, साइनोसाइटिस, पुराना नजला, जुकाम आदि रोगों में भी यह प्राणायाम लाभदायक सिद्ध हुआ है।

शारीरिक और मानसिक फिटनेस के लिए करें योग

योग हमें शारीरिक ओर मानसिक रुप से फिट बनाये रखता है। आज के वयस्त समय में व्यक्ति रोगों का शिकार बनता जा रहा है इसके साथ ही मधुमेह और रक्तचाप सहित कई बीमारियों उसे घेरती जा रही है। ऐसे में स्वस्थ रहने उसे योग का सहारा लेना चाहिये। अपने पूरे व्?यक्ति्व को निखारने और सामाजिक, व्?यक्तिगत, शारीरिक और मानसिक रूप से बेहरत बनने के लिए योग सबसे बेहतर है।

दंडासन

यह एक बैठ कर करने वाला आसन है, जिसे लंबे समय तक करने से कई फायदे मिलते हैं। जिन लोगों के पैरों में दर्द रहता है वे इस आसन को 5 से 10 मिनट ज़रूर करें। इसे करने के लिए आप पैरों को आगे की तरफ खोलकर बैठ जाएं और कमर को सीधी रखें। जब हम अधिक देर तक इसी अवस्था में बैठते हैं, तो शरीर में बेहतर तरीके से रक्त प्रवाह होता है और पैरों का दर्द ठीक होने लगता है।

शलभासन

पेट के बल लेट जाएं और जांघ के नीचे अपनी दोनों हाथों की हथेलियों को दबाएं। अब बिना घुटनों को मोड़े दोनों पैरों को धीरे से एक साथ उठाने का प्रयास करें। अब ऐसे ही 5 तक की गिनती करें। अब पैरों को धीरे से नीचे रख लें। ऐसा दोबारा करें. कमर दर्द को ठीक करने में ये आसन काफी लाभदायक है।

तितली आसन

पैरों को मोड़कर तलवों को एक-दूसरे से लगाकर बैठें और कमर गर्दन सीधी रखें। अब हाथों से दोनों तलवों को पकड़कर रखें और घुटनों से पैरों को तितली की तरह उठाएं और नीचे करें। ऐसा आप कुछ देर तक करें।

वक्रासन

दाहिने पैर को बाएं पैर के घुटनों के पास रखें। दाएं हाथ को पीछे की तरफ रखें। बाएं हाथ को ऊपर की तरफ उठाएंगे और शरीर को घुमाते हुए बाएं हाथ से दाहिने पैर के घुटनों को धकेलते हुए पैरों पर हाथ का ग्रिप बनाएं। गर्दन को धीरे से पीछे की तरफ घुमाएं. अब 10 तक की गिनती करें। धीरे से गर्दन को सामने, हाथ को वापस, पैरों को भी वापस अपनी जगह पर रखें। इसी तरह अब बाईं तरफ से ये सारी प्रक्रिया दुहराएं। मधुमेह मरीजों के लिए यह बहुत लाभदायक है जिन लोगों को कब्ज की समस्या है, उन्हें भी इसका नियमित अभ्यास करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

सऊदी अरब में मरने वाले 900 से अधिक हाजियों में 35 पाकिस्तानी

रियाद। सऊदी अरब में इस वर्ष भीषण गर्मी के कारण हज यात्रा के दौरान दुनिया भर से आए 900 से अधिक हज यात्रियों की मौत हो गई, जिनमें कम से कम 35 पाकिस्तानी तीर्थयात्री शामिल हैं। सरकार ने इसकी पुष्टि की है। पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि इस वर्ष अत्यधिक गर्मी और खराब मौसम के कारण हज यात्रा चुनौतीपूर्ण थी, तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा था। सऊदी अरब के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि सोमवार को मक्का की मस्जिद-ए-हरममें तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पाकिस्तान हज मिशन के महानिदेशक अब्दुल वहाब सूमरो ने बुधवार को बताया कि खबर के अनुसार 18 जून तक कुल 35 पाकिस्तानी हज यात्रियों की मौत हुई हैं। डॉन अखबार में सूमरो के हवाले से कहा गया कि मक्का में 20, मदीना में छह, मीना में चार, अराफात में तीन और मुजदलिफा में दो लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि सऊदी सरकार ने हरमैन में दफनाने की व्यवस्था की है और अगर कोई पाकिस्तानी हजयात्री मांग करे तो उसके शव को उसके उत्तराधिकारियों के माध्यम से वापस देश भेजने के भी प्रबंध किए गए हैं। सऊदी अरब ने आधिकारिक तौर पर मौतों की जानकारी नहीं दी है, हालांकि उसने सिर्फ रविवार को ही ''भीषण गर्मी'' से निढाल होने वालों के 2700 से अधिक मामलों की सूचना दी है। सूमरो ने आम नागरिकों से हज यात्रियों की कठिनाइयों के संबंध में सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही पोस्टों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। उन्होंने बताया कि यह वास्तविक नहीं है।

मलेशिया जा रही फ्लाइट.... अचानक क्यों हैदराबाद लौटी

कुआलालंपुर । मलेशिया की ओर जा रही एक फ्लाइट ने हैदराबाद से उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही समय के बाद फिर से हैदराबाद एयरपोर्ट पर लैंड करना पड़ा। फ्लाइट फिर से कुछ ही समय में हैदराबाद लौट आई। मलेशिया एयरलाइंस ने गुरुवार को पुष्टि की कि हैदराबाद से कुआलालंपुर जाने वाली एक उड़ान को 'इंजन में समस्या के कारण' वापस राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लौटना पड़ा। मलेशिया एयरलाइंस का बयान एक वीडियो के बाद आया है, जिसे एक यात्री ने रिकॉर्ड किया था, जिसमें विमान के इंजन से चिंगारी निकलती दिखाई दे रही थी, और यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। हालांकि, बयान में घटना की वास्तविक प्रकृति पर कोई टिप्पणी नहीं की गई, जिसके कारण पायलटों को हैदराबाद लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। मलेशिया की सेपांग स्थित ध्वजवाहक कंपनी ने कहा, विमान स्थानीय समयानुसार सुबह 3:21 बजे राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतरा, सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित रूप से उतर गए। इसमें कहा गया है, प्रभावित यात्रियों को उनकी यात्रा जारी रखने के लिए अन्य उड़ानों में भेजा जाएगा। विमान को आगे की जांच के लिए फिलहाल जमीन पर रखा गया है। मलेशिया एयरलाइंस के लिए सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। उड़ान भरने वाले विमान में 138 यात्री सवार थे। सूत्रों के अनुसार, राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैदराबाद में आपातकालीन प्रोटोकॉल के साथ विमान को उतारा गया। हाल ही में, न्यूजीलैंड के क्वीन्सटाउन से ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न जा रहे वर्जिन ऑस्ट्रेलिया के एक यात्री विमान को न्यूजीलैंड के इन्वरकार्गिल में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी, क्योंकि आग लगने के बाद उसके एक इंजन ने काम करना बंद कर दिया था। हालांकि आग लगने का सटीक कारण ज्ञात नहीं हो सका है, लेकिन वर्जिन ऑस्ट्रेलिया ने कहा है कि यह घटना संभावित पक्षी के टकराने के कारण हुई।

चीन ने फिलीपीन के साथ दोहराया गलवान...चाकू और कुल्हाड़ी से किया हमला

मनीला । दूसरे देशों की जमीन पर बुरी निगाह रखने वाले चीन ने दक्षिणी चीन सागर में गलवान जैसी घटना फिर की है। चीनी सैनिकों पर अपने पड़ोसी राष्ट्र फिलीपीन की नौसेना पर चाकू और कुल्हाड़ी लेकर हमला करने और जमकर लूटपाट करने का आरोप लगा है। फिलीपीन सेना ने चीनी सैनिकों की करतूत के वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किए हैं। फिलीपीन अधिकारियों ने चीन को लताड़ लगाकर समुद्री लूट करार दिया। वीडियो में चीनी सैनिकों की लूटपाट देखी जा सकती है। वे फिलीपीन सैनिकों पर चाकू और कुल्हाड़ी से हमला कर रहे हैं। फिलीपीन के सैन्य प्रमुख ने मांग की कि चीन विवादित तटवर्ती क्षेत्र में चीनी तटरक्षक द्वारा जब्त किए गए हथियार और उपकरण लौटाए और हमले में हुए नुकसान की भरपाई करे। फिलीपीन के अधिकारियों के अनुसार, आठ से अधिक मोटरबोट पर सवार चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन की नौसेना की दो नौकाओं को बार-बार टक्कर मारी और उन पर चढ़ गए। इतना ही नहीं चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन नौसेना कर्मियों को दक्षिण चीन सागर में अपनी नावों से रोक दिया। इन क्षेत्रों पर चीन अपना दावा करता आया है। चीनी सैनिकों ने पहले फिलीपीनो सैनिकों की नावों को टक्कर मारी और फिर वे हथियार लहराते हुए उनकी नावों में कूद गए। वीडियो में देखा जा सकता है कि चीनी कर्मियों ने नौकाओं को जब्त कर फिलीपीन सैनिकों पर हमला किया। चीनी सैनिक उनकी सेना के कई उपकरणों, आठ एम4 राइफलें भी अपने साथ लूटकर ले गए। फिलीपीन सशस्त्र बलों के प्रमुख जनरल रोमियो ब्रॉनर जूनियर ने कहा, चीनी सेना ने जो किया जो भुलाया नहीं जा सकता। यह दक्षिण चीन सागर में एक प्रकार की लूट थी। इस तरह की घटना नहीं होनी चाहिए थी। हम चीन से अपने हथियार वापस करने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने चाकुओं से हमारे जहाजों पर हमला किया। हथौड़े से जहाजों को नुकसान पहुंचा।

कंगाल पाकिस्तान ने बकरीद में 12 लाख से ज्यादा पशुओं की बलि दी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में ईद उल अजहा से जुड़ी एक नई रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में खुलासा हुआ हैं कि पूरे पाकिस्तान में 12 लाख से ज्यादा पशुओं की बलि दी गई। इनकी कीमत 500 अरब पाकिस्तानी रुपए है। रिपोर्ट के मुताबिक बलि देने वाले जानवरों में 290,000 गायें, 330,000 बकरियां, 385,000 भेड़ और 98000 ऊंट शामिल हैं। इसके अलावा 165000 भैसों की भी बलि दी गई। बलि दिए गए जानवरों का कुल्य वित्तीय मूल 500 अरब रुपये से ज्यादा था। अनुमान के मुताबिक सिर्फ खाल की कीमत 85 अरब रुपये है। रिपोर्ट में भीषण गर्मी और जलवायु परिवर्तन के कारण 40 फीसदी खाल के संभावित नुकसान के बारे में भी चिंता जाहिर की है। आमतौर पर पाकिस्तान का चमड़ा उद्योग बकरीद के दौरान खाल की वार्षिक मांग का 20 फीसदी पूरा कर लेता है। हालांकि इस साल माना जा रहा है कि मौजूदा आपूर्ति 20 फीसदी से ज्यादा कम हो सकती है। पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के कम से कम 36 सदस्यों को ईद-उल-अजहा पर जानवरों की कुर्बानी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अहमदिया समुदाय को देश में गैर-मुस्लिम घोषित किया गया है, जिसके मद्देनजर उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई। देश में अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान के पदाधिकारी आमिर महमूद ने बताया कि समुदाय के कम से कम 36 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से अधिकतर पंजाब प्रांत से हैं। पाकिस्तान के आर्थिक संकट के बीच ईद-उल-अजहा का त्यौहार मनाया।

दुनिया में पहला एआई ब्यूटी पेजेंट्स....भारत की जारा शतावरी भी शामिल

लंदन । मिस वर्ल्ड और मिस यूनिवर्स जैसे ब्यूटी पेजेंट्स के बाद अब दुनिया में पहला एआई ब्यूटी पेजेंट होने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, एआई मॉडल्स के बीच हो रही प्रतियोगिता को ब्रिटेन की फैनव्यू कंपनी वर्ल्ड एआई क्रिएटर अवॉर्ड्स के साथ मिलकर आयोजित कर रही है।

इस प्रतियोगिता में 2 एआई जजों के अलावा पीआर एडवाइजर एंड्रयू ब्लोच और बिजनेसमान सैली ऐन-फॉसेट भी बतौर जज मौजूद रहने वाले हैं। पेजेंट के पहले चरण में 1500 प्रतिभागियों के बीच से टॉप 10 एआई मॉडल्स का चयन किया गया है। अब इनमें शुरुआती 3 पायदान पर जीत हासिल करने वाली मॉडल्स को प्राइज दिया जाएगा। मिस एआई बनने वाली मॉडल को 10.84 लाख रुपए के अलावा उस बनाने वाले क्रिएटर को पब्लिक रिलेशंस के लिए 4.17 लाख रुपए दिए जाएंगे। प्रतियोगिता के टॉप 10 प्रतिभागियों में भारत की एआई मॉडल जारा शतावरी भी शामिल हैं। जारा को एक मोबाइल ऐड एजेंसी के सह-संस्थापक राहुल चौधरी ने बनाया है। जारा एक हेल्थ और फिटनेस इन्फ्लूएंसर हैं। उनका सोशल मीडिया पेज भी है, जहां वह हेल्थ और फैशन से जुड़ी टिप्स देती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 8 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। अपनी ज्यादातर तस्वीरों में जारा योग के साथ हेल्दी खाने से जुड़ी बातें बता रही हैं। जारा इस ब्यूटी एजेंट में एशिया से चुनी गईं 2 मॉडल्स में से एक हैं।

कुवैत में बिजली की कमी के कारण कई इलाके अंधेरे में डूबे नजर आ रहे। यहां गर्मी बढने के साथ ही बिजली की मांग बढ़ने के बाद ग्रिड पर दबाव काफी बढ़ गया है।

सुनीता विलियम्स अब 26 जून को पृथ्वी पर लौटेंगी

वॉशिंगटन। भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी पर वापसी 26 जून तक टल गई है। बोइंग के स्टारलाइनर कैप्सूल में थ्रस्टर से जुड़े इश्यू और शेड्यूल्ड स्पेसवॉक के कारण इसे टाला गया है। ये तीसरा मौका है जब विलियम्स और विल्मोर की वापसी को टाला गया है। पहली घोषणा 9 जून को की गई थी, जिसमें बताया गया था कि लैंडिंग को 18 जून तक आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके बाद वापसी को बढ़ाकर 22 जून किया गया। दोनों एस्ट्रोनॉट स्टारलाइनर कैप्सूल और उसके सब सिस्टम की टेस्टिंग के लिए करीब एक हफ्ते तक स्पेस स्टेशन में रहने वाले थे।

रूस एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम करेगा तैनात, अमेरिका चिंतित

-अमेरिकी एफ-22 रैप्टर जैसे स्टील्थ लड़ाकू विमानों को रोकने में सक्षम

मास्को (एजेंसी)। रूसी सेना की ओर से लेटेस्ट जेनेरेशन की एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम एस-500 की तैनाती की घोषणा की है। रूसी एयर डिफेंस अमेरिकी एफ-22 रैप्टर और एफ-35 लड़ाकू विमानों के लिए खतरा है। यह रूसी एस-500 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली एफ-35 और एफ-22 रैप्टर जैसे स्टील्थ लड़ाकू विमानों को रोकने में सक्षम होगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक एस-500 की तैनाती परीक्षण के बाद की गई है। रूस ने एस-500 को इसके पूर्ववर्ती एस-400 से अपग्रेड करते हुए तैयार किया है। इसकी तैनाती यूक्रेन के खिलाफ महत्वपूर्ण स्थान पर की है। रूस ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में उसके एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को नुकसान हुआ है। एस-500 सिस्टम हाइपरसोनिक मिसाइलों, विमानों और यहां तक कि कम-कक्षा के उपग्रहों को भी टारगेट कर सकता है।

रूस ने क्रीमिया में इस एयर सिस्टम की तैनाती की है, जो रणनीतिक महत्व को रूसी सैन्य रसद पहुंचाने में एक महत्वपूर्ण गलियारा है। यूक्रेन और अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच एस-500 की उपस्थिति वायु रक्षा शक्ति के संतुलन में बड़ा बदलाव है। ये अत्याधुनिक अमेरिकी लड़ाकू जेटों से जुड़ी हवाई गतिविधियों को भी रोकेगा। एस-500 एयर डिफेंस के रडार और टारगेट सिस्टम दुनिया में सबसे अच्छे माने जाते हैं, जो 600 किलोमीटर तक अपने लक्ष्य को पहचान सकते हैं। यह लंबी दूरी की क्षमता सिस्टम को अपने जुड़ाव क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले लक्ष्यों को अच्छी तरह से पहचानने और ट्रैक करने की इजाजत देती है। मारक क्षमता के संदर्भ में एस-500 कई लक्ष्यों के लिए तैयार की और कई मिसाइलों से सुसज्जित है। ये मिसाइलें 200 किलोमीटर तक की ऊंचाई तक पहुंच सकती हैं, जिससे एस-500 अपने मध्य-चरण के दौरान बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने और कम-कक्षा उपग्रहों को संलग्न करने में सक्षम है।

अमेरिकी वायुसेना के लिए बेहद अहम एफ-22 रैप्टर और एफ-35 लाइटनिंग ढ्ढढ्ढ जैसे स्टील्थ विमानों को लक्षित करने की प्रणाली की क्षमता एस-500 के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। एस-500 उन्नत रडार तकनीक का इस्तेमाल करता है जो उन विमानों का पता लगा सकता है, जिन्हें पारंपरिक रडार प्रणालियों से बचने के लिए डिजाइन किया है। इसके अलावा एस-500 एक साथ कई लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम है। यह इसे ऐसे खतरे वाले माहौल में प्रभावी बनाता है, जहां आने वाले कई खतरों को कुशलता से संबोधित कर सकता हो।

चीनी सेना भष्ट्राचार में डूबी... नाराज जिनपिंग ने दी चेतावनी

-सेना कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति पूरी तरह से वफादर रहे

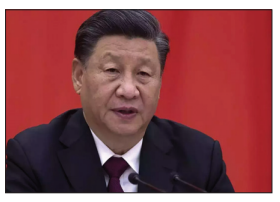

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग देश की सेना पीएलए में व्याप्त व्यापक भ्रष्टाचार पर बुरी तरह से नाराज हो गए हैं। शी जिनपिंग ने कहा कि सेना में किसी भ्रष्ट व्यक्ति के लिए छिपने की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। जिनपिंग ने कहा कि सेना चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति पूरी तरह से निष्ठा दिखाए। उन्होंने कहा कि चीनी सेना के राजनीति, विचारधारा, काम की शैली और अनुशासन में बहुत गहराई तक समस्याएं हैं। जिनपिंग ने संकेत दिया कि अभी सेना के अंदर भ्रष्टाचार के खिलाफ और ज्यादा सख्त कार्रवाई होगी। इससे पहले चीनी राष्ट्रपति ने 12 से ज्यादा सीनियर जनरल और रक्षा उद्योग के अधिकारियों को पद से बर्खास्त कर दिया था। जिनपिंग ने पीएलए के शीर्ष कमांडरों से कहा कि वे भ्रष्टाचार को पैदा करने वाली परिस्थितियों खत्म करें। उन्होंने कमांडरों से कहा कि वे भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए अपने अभियान को दोगुना करें। शी के बयान के बाद चीनी सेना की क्षमता पर सवाल खड़े हो रहे है। जिनपिंग ने बार-बार सैन्य कमांडरों को चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार से दूर रहें। उन्होंने कहा कि अगर सेना में अनुशासन नहीं रहता है, तब उनकी पश्चिमी देशों की सेना से मुकाबला करने की योजना को पलीता लग जाएगा।

दरअसल चीनी सेना पिछले साल से ही भ्रष्टाचार निरोधक अभियान चला रही है। चीनी सेना के 9 जनरल और रक्षा उद्योग के कम से कम 4 अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। इसमें रणनीतिक रूप से अहम पीएलए की रॉकेट फोर्स भी शामिल है जो देश के रणनीतिक और परमाणु मिसाइलों की देखरेख करती है। इसके अलावा चीन के पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू को भी उनके पद से हटा दिया गया था। उन्हें हटाने की चीन ने कोई वजह नहीं बताई थी। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक ली शांगफू के खिलाफ सैन्य उपकरणों की खरीद में भ्रष्टाचार की जांच की जा रही है। चीन ने हथियारों की खरीद पर अरबों डॉलर खर्च किए हैं ताकि साल 2050 तक देश की सेना को विश्वस्तरीय बना दिया जाए। चीन की नजर ताइवान से लेकर भारत तक पर है और बड़े पैमाने पर सैन्य तैयारी कर रहा है।

उत्तर कोरिया के बाद वियतनाम पहुंचे पुतिन

हाओई (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उत्तर कोरिया के साथ रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद गुरुवार को वियतनाम पहुंचे। पुतिन का वियतनामी उप प्रधानमंत्री ट्रान होंग हा और पार्टी के शीर्ष राजनयिक ले होई ट्रुंग ने रेड कार्पेट पर स्वागत किया।

वियतनाम, जो आधिकारिक तौर पर विश्व शक्तियों के साथ अपने संबंधों में एक तटस्थ विदेश नीति का पालन करता है, जिसे वह बांस कूटनीति कहता है, ने यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा करने से परहेज किया है, एक ऐसा रुख जिसे पश्चिमी देश क्रेमलिन के बहुत करीब मानते हैं। यूक्रेन युद्ध पर वियतनाम के संतुलित रुख की

हालाँकि उत्तर कोरिया और रूस दोनों को अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करना पड़ रहा है, वियतनाम ने अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ सावधानीपूर्वक गठबंधन बनाए हैं। कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल अकादमी में वियतनाम सुरक्षा के विशेषज्ञ कार्ल थायर ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन की उत्तर कोरिया और वियतनाम की यात्रा यह प्रदर्शित करने के लिए है कि रूस को अलग-थलग करने के पश्चिमी प्रयास काम नहीं कर रहे हैं और रूस के एशिया में साझेदार हैं। मई में पाँचवें कार्यकाल के लिए शपथ लेने के बाद से, चीन और उत्तर कोरिया के बाद पुतिन द्वारा दौरा किया जाने वाला दक्षिण-पूर्व एशियाई देश तीसरा देश होगा।

प्रमुख भागीदार अमेरिका, जिसने पिछले साल हनोई के साथ राजनयिक संबंधों को उन्नत किया और जो वियतनाम का शीर्ष निर्यात बाजार है, ने पुतिन की यात्रा का विरोध किया।

हनोई में अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, किसी भी देश को पुतिन को उनके आक्रामक युद्ध को बढ़ावा देने और अन्यथा उनके अत्याचारों को सामान्य बनाने का मंच नहीं देना चाहिए। रूस ऐतिहासिक रूप से वियतनाम का प्रमुख सैन्य आपूर्तिकर्ता रहा है, इसलिए किसी भी संभावित हथियार सौदे पर बारीकी से नजर रखी जाएगी।

पाकिस्तानी आवाम की आवाज, एटम बम नहीं... हमें रोटी, अस्पताल और स्कूल चाहिए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। वैश्विक हथियार ट्रैकर रिपोर्ट के अनुसार भारत का परमाणु हथियार भंडार 25 वर्षों में पहली बार पाकिस्तान से बड़ा हुआ है। भारत के पास अब 172 हथियार हैं। एसआईपीआरआई की ताजा रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत ने पिछले साल अपने जखीरे में आठ परमाणु हथियार जोड़े हैं, जिससे उसके हथियारों की संख्या 164 से बढ़कर 172 हो गई। वहीं पाकिस्तान का परमाणु भंडार 170 पर स्थिर है। 1999 के बाद यह पहली बार है कि भारत के पास पाकिस्तान से ज्यादा परमाणु हथियार हैं। इस खबर के बाद पाकिस्तानियों ने जमकर अपनी सरकार और सेना को सुनाया है।

पाकिस्तानी राजनेता और फौज के लोग अक्सर ही अपने परमाणु हथियारों की चर्चा करते रहे हैं। इस लेकर पाकिस्तानी खुद ही अपनी तारीफ करते हैं। अब पाकिस्तान इस मामले में भी भारत से पिछड़ गया है। इस पर

पाकिस्तानी आवाम का कहना है कि दशकों से नेता बम की रट लगाते रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान के नेताओं को समझना चाहिए कि देश लोगों के मजबूत होने से होता है ना कि बम से ये होगा। मलिक हारुन ने कहा कि सरकार वे कदम उठने चाहिए कि आम लोगों की माली हालत ठीक हो, यहीं से तरक्की के रास्ते खुल सकते है। उन्होंने कहा कि परमाणु बम के बिना भी दुनिया के बहुत से देश बेहद खुशहाल हैं, इसके बाद बम के बजाय हमें इकॉनमी पर ध्यान देना चाहिए।

गुलफाम ने कहा, ये एटम बम फिजूल की चीज है, ये कभी नहीं चलने हैं। इनकी किसी को जरूरत नहीं है। हमें जरूरत रोटी, अस्पताल और स्कूल की है। हम तो ऐसा समझते हैं कि पाकिस्तान के लोग इस चक्कर में ना पड़ें बल्कि भारत के लोग भी इस दौड़ में ना पड़ें। ये किसी काम के नहीं हैं। हमारे देश से ही अलग हुए बांग्लादेश के पास एटम बम नहीं है लेकिन वहां मुल्क बीते कुछ सालों में भारत और पाकिस्तान दोनों से आगे बढ़ा है। इसी तरह से अरब और यूरोप के कई मुल्कों के पास बहुत छोटी सी फौज है, लेकिन वहां खुशहाली पाकिस्तान, भारत और दूसरे कई परमाणु हथियार वाले देशों से बहुत ज्यादा है। कमर मुनीर ने कहा, भारत से मुकाबला करने की बातें ही बेवजह की हैं। पाकिस्तान के जो हालात आज के वक्त में हैं, वे इसतरह के नहीं हैं कि किसी से लड़ सकें। आवाम महंगाई से मरी जा रही है। किसानों को सही दाम नहीं मिल पा रहे हैं।

कौन हैं नैंसी पेलोसी..... जो चीन को फूटी आंख नहीं भाती

- पहले ताइवान अब दलाईलामा से मुलाकात

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी संसद का एक ताकतवार प्रतिनिधिमंडल इन दिनों भारत दौरे पर है। प्रतिनिधमंडल में अमेरिकी संसद की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी शामिल हैं, जिन्होंने तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात की। लेकिन चीन को ये मुलाकात पंसद नहीं आई। नाराजगी में चीन ने अमेरिकी डेलिगेशन को चेतावनी तक दे डाली। नैंसी पेलोसी सहित अमेरिकी प्रतिनिधियों ने धर्मशाला में दलाई लामा से मुलाकात की है। लेकिन मुलाकात का असल मकसद उस बिल पर चर्चा करना है, जिस पर जल्द अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन हस्ताक्षर कर सकते हैं। बिल का उद्देश्य चीन पर दबाव बनाना है ताकि वह तिब्बत के साथ चल रहे विवाद को निपटा सके। यह बिल 12 जून को अमेरिकी संसद में पारित हुआ था। बिल में अमेरिका, तिब्बत के इतिहास, लोगों और संस्थाओं के बारे में चीन की ओर से फैलाए जा रहे दुष्प्रचार से निपटने के लिए फंड मुहैया कराएगा।

अब सवाल हैं कि नैंसी पेलोसी क्यों चिढ़ता है चीन?

नैंसी पेलोसी का ताल्लुक राजनीतिक परिवार से रहा है। 84 साल की नैंसी पेलोसी 5 बच्चों की मां और नौ बच्चों की दादी हैं। पेलोसी अक्सर कहती हैं कि उनका इरादा कभी राजनीति में आने का नहीं था। नैंसी के पिता थॉमस डीएलेसेंड्रो जूनियर ने बाल्टीमोर के मेयर के रूप में काम किया है। उन्होंने पांच बार कांग्रेस में शहर का प्रतिनिधित्व किया। नैंसी के भाई थॉमस डीएलेसेंड्रो-3 ने भी बाल्टीमोर के मेयर के तौर पर काम किया। पेलोसी अक्सर अपने पिता के चुनावी अभियानों में भाग लेती थीं। उन्हें वोट बटोरने में महारत हासिल है।

ओबामा के पूर्व मुख्य रणनीतिकार डेविड एजेलरोड ने नैंसी से पूछा था कि उन्होंने अपने पिता से क्या सीखा। इसके जवाब में पेलोसी ने कहा कि मैंने उनसे वोट इकट्ठे करना सीखा है।

पेलोसी पहली बार 1987 में सदन के लिए चुनी गई थीं। उन्होंने अमेरिकी राजनीति में सबसे शक्तिशाली महिलाओं में से एक के रूप में कार्यकाल पूरा किया है। डेमोक्रेटिक नेता पेलोसी ने 2007 में पहली महिला स्पीकर बनकर इतिहास रचा था। फिर 2019 में उन्होंने स्पीकर का पद हासिल किया। स्पीकर के तौर पर उनका कार्यकाल जनवरी 2023 में पूरा हुआ था।

पेलोसी डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ खड़े होने वालीं आखिरी शख्स थीं। पेलोसी ने सुनिश्चित किया था कि ट्रंप दो बार महाभियोग चलाने वाले एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति बनें। दूसरा प्रयास उनके कार्यकाल की समाप्ति से केवल सात दिन पहले किया गया था, जहां एक तरफ उनके उग्र व्यक्तित्व ने उन्हें हमेशा विरोध के निशाने पर रखा, तब वहीं दूसरी तरफ उन्हें पसंद करने वाले लोगों की भी कमी नहीं रही है। बीते साल अगस्त में नैंसी तब चर्चा में आई थीं, जब वे अमेरिका की हाउस

स्पीकर के पद पर रहते हुए ताइवान के दौरे पर गई थीं। उनके इस दौरे का चीन ने जबरदस्त विरोध किया था। दरअसल, ताइवान को चीन अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है। इसके बाद चीन ने अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी।

नीट यूजी 2024 पेपर लीक मामला : पेंडिंग केस की सुनवाई पर रोक

नई दिल्ली । नीट यूजी 2024 पेपर लीक से संबंधित मामले में अलग-अलग हाई कोर्ट में पेंडिंग केस की सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। दरअसल, एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर देश भर के अलग-अलग हाईकोर्ट में पेंडिंग नीट से संबंधित याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की गुहार लगाई है। इसके साथ अलग-अलग हाई कोर्ट में होने वाली नीट की सुनवाई पर रोक की मांग की थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालयों में नीट की सुनवाई पर रोक लगा दी लेकिन फिर कहा है कि वह काउंसलिंग पर रोक नहीं लगाएंगे। कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि दाखिला प्रक्रिया इस याचिका के परिणाम पर निर्भर है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एसवीएन भाटी की बेंच ने मामले में दाखिल ट्रांसफर पिटिशन पर नोटिस जारी किया।

इस दौरान एनटीए की ओर से पेश वकील ने कहा कि हाई कोर्ट में पेंडिग केस की सुनवाई पर भी रोक लगाई जानी चाहिए। इस दौरान शुरुआत में सुप्रीम कोर्टने कार्यवाही पर रोक संबंधित आदेश पारित करने पर अनिच्छा जाहिर की थी। दरअसल, हाईकोर्ट ट्रांसफर पिटिशन पर नोटिस के बाद आमतौर पर सुनवाई नहीं करता है। हालांकि,एनटीए के वकील वर्धमान कौशिक ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बाद भी हाई कोर्ट मामले को डील कर कर रहा है। तब सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट में चल रहे इस मामले से संबंधित सुनवाई पर रोक लगाई। सुप्रीम कोर्ट में एनटीए की ओर से दाखिल अर्जी में कहा गया है कि इससे संबंधित एक मामला राजस्थान हाई कोर्ट, दो मामले कलकत्ता हाई कोर्ट और एक याचिका बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच में पेंडिंग है।

6 साल के बच्चे की हार्ट सर्जरी में देरी... एनएचआरसी ने दिल्ली एम्स को भेजा नोटिस

नई दिल्ली । राष्ट्रीय मानवाधिकारी आयोग ने 6 साल के बच्चे के हार्ट सर्जरी में देरी पर दिल्ली एम्स को नोटिस भेजा है। बच्चे को 2019 से ही दिल की बीमारी है, तब से उसके माता-पिता दिल्ली एम्स के चक्कर काट रहे हैं। हर बार उन्हें सर्जरी की तारीख मिलती हैं, लेकिन ऑपरेशन नहीं होता। एनएचआरसी ने मामले को मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक रिपोर्ट पर संज्ञान लेकर दिल्ली एम्स को नोटिस जारी किया है। रिपोर्ट में 6 साल के एक बच्चे के दिल के ऑपरेशन में लगभग छह साल की अभूतपूर्व देरी का मामला सामने आया था। बेगूसराय का रहने वाला यह बच्चा 2019 में महज तीन महीने का था, तब बच्चे को दिल की बीमारी का पता चला था। बच्चे के माता-पिता का कहना है कि जब से उन्हें इस बीमारी के बारे में पता चला है, तब से लेकर अब तक वे कई बार एम्स का चक्कर लगा चुके हैं। हर बार उन्हें डॉक्टरों ने सर्जरी की नई तारीख दे दी, लेकिन ऑपरेशन नहीं हो सका। एनएचआरसी ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट में जो कुछ भी कहा गया है, अगर वह सच है, तब यह मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला है। स्वास्थ्य और मेडिकल सुविधाएं हर व्यक्ति का बुनियादी अधिकार है। एम्स एक प्रतिष्ठित सरकारी हेल्थ संस्थान है, जहां देश भर से लोग अपने प्रियजनों का इलाज कराने के लिए आते हैं। आयोग ने माना कि देश के सरकारी अस्पतालों में कई तरह की बाधाएं हैं, लेकिन यह जानकर दुख होता है कि एक मासूम बच्चा गंभीर हालात के बावजूद छह साल से दिल की सर्जरी का इंतजार कर रहा है। यह बेहद चिंता का विषय है। एनएचआरसी ने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव और एम्स के निदेशक को नोटिस जारी कर एक हफ्ते के अंदर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

प्राचार्य को ऑफिस में मारी गोली, दो संदिग्ध हिरासत में

नालंदा। नालंदा में एक सरकारी हाईस्कूल के प्राचार्य को उसके ऑफिस में घुसकर बदमाश ने गोली मारी दी। इससे घायल हो गए। घटना के बाद आनन-फानन में प्राचार्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। यह घटना एकंगरसराय प्रखंड के तेल्हाड़ा हाईस्कूल की है। प्राचार्य का नाम संतोष कुमार है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें दिखाई दे रहा है कि एक बदमाश ऑफिस के गेट पर खड़े होकर कुछ कह रहा है लेकिन, प्राचार्य अपनी कुर्सी पर बैठे हैं। कुछ देर बाद बदमाश हाथ में पिस्टल लिए अंदर घुसता है और फायरिंग कर देता है। पहली गोली मिस हो जाती है। फिर दूसरी बार पैर पर गोली मारता है। बदमाश एक के बाद एक गोली चलाकर वहां से फरार हो जाता है। प्राचार्य के बाया पैर में गोली लगी है। घायल प्राचार्य को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। यहां उनका इलाज जारी है। प्राचार्य ने पुलिस को बताया कि बदमाश उन्हें पहले बाहर बुला रहा था। जब बाहर नहीं निकले तो ऑफिस में घुसकर गोली मार दी। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले भी स्कूल परिसर के बाहर छात्रों के साथ मारपीट की थी। लेकिन पुलिस ने पूछताछ करने के बाद छोड़ दिया था। हिलसा डीएसपी-2 गोपाल कृष्ण ने बताया कि दो संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में चार लोगों की भूमिका सामने आई है। प्राचार्य को गोली क्यों मारी इसका कारण पता नहीं चल सका है। फिलहाल पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

पुलिस से मुठभेड़ में टिल्लू गैंग का शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद रोहिणी से टिल्लू ताजपुरिया गैंग के एक शूटर को पकड़ा है। इस शूटर की पहचान सुमित के रुप में हुई है। हत्या के एक मामले में सुमित पैरोल मिलने के बाद भाग गया था। इसके साथ ही अलीपुर पुलिस थाने में दर्ज हत्या के एक और मामले में वह वांछित घोषित है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रोहिणी पुलिस के विशेष दल के साथ मुठभेड़ के बाद सुमित को गिरफ्तार किया गया है। बता दें खूंखार गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया को पिछले साल तिहाड़ जेल के अंदर उसके विरोधी गुटों के सदस्यों ने पीट-पीटकर मार डाला था।

सिवनी में 50 से अधिक सिर कटी गायें मिलीं, ग्रामीण बोले नदी में बहकर भी आ सकती है

सिवनी। जिले में दो स्थानों पर गौवंश के गर्दन कटे शव मिलने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पिंडरई के पास वैनगंगा नदी में 19 गौवंश के शव मिले हैं। वहीं धूमा क्षेत्र में लगभग 32 गौवंश की गर्दन कटी मिली। सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। पुलिस ने जानवरों के डॉक्टर को मौके पर बुलाकर मृत गायों के शवों का परीक्षण करवाया है। मौके पर ही शव दफना दिए गए। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि किन लोगों ने ऐसा किया है। इस मामले में क्षेत्र के लोगों ने बताया कि इस तरह की घटना उनके क्षेत्र में पहली बार हुई है। गांव के लोगों के अनुसार आसपास के गांव से मवेशियों के शव नदी में बहकर आए हैं। गांव के लोगों का कहना है कि इस मामले में पुलिस प्रशासन को जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। पुलिस ने बताया कि पुलिस मवेशी तस्करों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। पूरे जिले में मवेशी तस्करों पर नजर रखने के साथ मवेशियों का अवैध रूप से परिवहन करने वालों को पकड़ा जा रहा है। संभावना है कि मवेशी तस्करी करने वाले तस्करों ने पकड़े जाने के डर से मवेशियों को नदी में बहाया हो। इस मामले में हर पहलू पर नजर रख सूक्ष्मता से जांच की जा रही है। जल्द ही घटना में शामिल आरोपितों का पता लगाकर उन्हें पकड़ा जाएगा। जानकारी मिलते ही धनौरा व पलारी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। धूमा थाना क्षेत्र लगभग 32 गायों की गर्दन का कुछ भाग काट कर जंगल मे फेंक दी गई थी। पुलिस ने समस्त गायों को दफनाकर जांच कार्यवाही शुरू कर दी है वैनगंगा नदी में गायों के शव को निकालने के लिए नदी में जेसीबी उतारने का प्रयास किया गया, लेकिन नदी में जेसीबी मशीन नीचे नहीं आ सकी। इसके बाद गांव के लोगों की मदद से नदी में मृत मिले मवेशियों के शव को रस्सी से बांध कर बाहर निकालने का काम देर शाम तक जारी रहा। अंधेरा होने तक मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस के साथ गांव के लोग मौजूद रहे। वहीं पशु डॉक्टर को भी मौके पर बुलाकर नदी से निकाले गए मवेशियों के शव को पोस्टमार्टम करने के बाद उन्हें दफना दिया गया।

एजुकेशन सिस्टम पर बीजेपी का कब्जा... पेपर लीक नहीं रोक पा रहे : राहुल गांधी

हमें पुरानी व्यवस्था बहाल करनी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने नीट यूजी 2024 और यूजीसी नेट 2024 परीक्षाओं में गड़बडी को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि उन्होंने इजरायल, गाजा और रूस यूक्रेन की जंग रोक दी, लेकिन वे पेपर लीक नहीं रोक सके। उन्होंने कहा कि देश के एजुकेशन सिस्टम को सुनियोजित तरीके से कब्जे में कर लिया गया है। इस पर रोक लगानी होगा। हमें पुरानी व्यवस्था फिर से बहाल करनी होगी।

राहुल गांधी ने कहा, जिन लोगों ने भी पेपर लीक किया है, उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। पेपर लीक से पहले हमें सिस्टम की जांच करनी होगी। युवाओं के साथ खिलवाड़ हुआ है। नीट के पेपर लीक हुए हैं। यूजीसी नेट के पेपर में धांधली हुई है, सबकी जांच होना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि संसद सत्र शुरू हो रहा है, यह मुद्दा संसद में भी उठाएंगे। मध्य प्रदेश के व्यापमं का जिक्र कर राहुल गांधी ने कहा कि पूरे देश में ऐसा ही तंत्र बनाने की कोशिश हो रही है। हम लोगों को

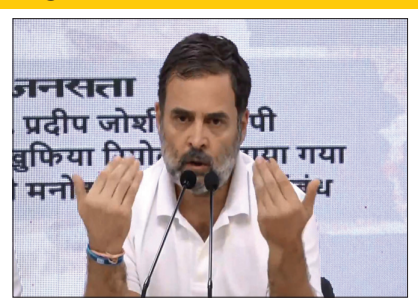

इस तंत्र को खत्म करना होगा।

राहुल गांधी ने कहा, पेपर लीक राष्ट्र विरोधी गतिविधि है। मोदी सरकार इस गड़बड़ी पर रोक नहीं लगा पा रही है। हर परीक्षा का पेपर लीक हो रहा है। इससे मेहनती छात्रों के साथ धोखा हुआ है। देश के शिक्षा तंत्र पर बीजेपी के लोगों का कब्जा है। जब राहुल गांधी से पूछा गया कि बिहार में कुछ लोगों पर आरोप लगे हैं कि वे पेपर लीक में शामिल हैं, इस पर आपका क्या कहना है? जवाब में राहुल गांधी ने कहा, जांच होनी चाहिए। जो भी शामिल है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा एजेंसी एनटीए को खत्म करने के सवाल पर राहुल गांधी ने कहा, ईमानदार लोगों को काम दिया जाएगा, तब पेपर लीक नहीं होगा। मोदी सरकार बेरोजगारी की समस्या के समाधान में विफल रही है।

प्रियंका गांधी वाड्रा का मोदी सरकार पर हमला

परीक्षा रद्द करने पर तीखी प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार और ढिलाई युवाओं के लिए हानिकारक है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा में घोटाले की खबर के बाद अब 18 जून को हुई नेट परीक्षा भी अनियमितताओं के डर से रद्द की गई है। क्या अब जवाबदेही तय हो जाएगी? क्या केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस ढिलाई की जिम्मेदारी लेंगे? केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट को लेकर चल रहे विवाद के बीच यूजीसी-नेट को रद्द करने का आदेश देकर मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी।

बिहार प्रदेश अध्यक्ष सिंह का बयान... असली हीरो राहुल गांधी

पटना । कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय सदाकत आश्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया। केक कटकर राहुल गांधी की तस्वीर को केक खिलाया गया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि राहुल सक्षम हैं और उन्होंने इस बात को साबित किया है। साल 2024 की सफलता इसी कहानी को बयां करती है। उन्होंने कहा कि हमारी ख्वाहिश है कि राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बनें। उन्हें पीएम बनने से कोई रोक नहीं सकता। एक दिन वे निश्चित रुप से पीएम बनने वाले है। लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी जोड़-तोड़ से पीएम बन गए, लेकिन असली हीरो राहुल गांधी हैं। हमें विश्वास है कि कांग्रेस की खोई गरिमा और प्रतिष्ठा को वे फिर से बहाल करने वाले हैं। प्रधानमंत्री के नालंदा यूनिवर्सिटी पहुंचने पर कांग्रेस नेता अखिलेश ने कहा कि पीएम के साथ मंच पर नीतीश कुमार हैं। क्या हुआ पटना यूनिवर्सिटी के केंद्रीय विश्वविद्यालय के दर्जे का? नीतीश कुमार ने सार्वजनिक रूप से पटना यूनिवर्सिटी को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने की मांग की थी। उन्होंने सवाल किया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा कब मिलेगा?

इस साल मई तक अमरावती में किसानों ने की सबसे ज्यादा आत्महत्या

-सरकारी आंकड़े जारी, पांच महीनों में करीब हर दिन एक किसान ने लगाया मौत को गले

नागपुर (एजेंसी)। देशभर के किसान अपनी मांगों को लेकर आए दिन धरना प्रदर्शन करते रहते हैं। कई किसानों ने तो आत्महत्या जैसा कदम भी उठाया है। वहीं किसानों की आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र ने यवतमाल को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले कुछ सालों में कपास उत्पादक यवतमाल जिला महाराष्ट्र में नंबर वन पर जाना जाता रहा है। अब यवतमाल की जगह अमरावती जिले ने ले ली है। महाराष्ट्र के अमरावती में किसानों की आत्महत्या करने के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। यहां जो आंकड़े सामने आए हैं वह डरावने हैं।

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा किसानों ने आत्महत्या अमरावती टॉप पर है। यवतमाल की सीमा से लगा अमरावती कपास और सोयाबीन का उत्पादक क्षेत्र है। प्रसिद्ध नागपुर संतरे की खेती भी यहीं होती है। इस साल मई 2024 तक अमरावती में 143 किसानों ने आत्महत्या की है। यह आंकड़े महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी किए गए हैं। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि पांच महीनों में करीब हर दिन एक किसान ने आत्महत्या की है।

महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या के मामले में दूसरे नंबर पर यवतमाल है। हालांकि दोनों जिलों में किसानों की आंत्महत्या के आंकड़ों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। मई 2024 तक 132 आत्महत्याएं दर्ज की गई हैं। जून के आंकड़े अभी संकलित किए जाने बाकी हैं। अमरावती ने 2021 से आत्महत्या के मामले में यवतमाल को पीछे छोड़ दिया है। 2021 में यवतमानल में 370 किसानों ने आत्महत्या की थी। 2022 में 349 और 2023 में 323 किसानों ने आत्महत्या की। यवतमाल में 2021 से 2023 तक यह संख्या 290, 291 और 302 तक थी।

महाराष्ट्र सरकार की टास्क फोर्स के वसंतराव नाइक शेतकरी स्वावलंबन मिशन के पूर्व अध्यक्ष किशोर तिवारी ने इस पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि अमरावती में स्थिति विशेष रूप से कठिन है। किसानों ने सोयाबीन की खेती की और उपज में उल्लेखनीय गिरावट देखी। पिछले साल दरें गिरकर चार हजार रुपए प्रति क्विंटल हो गईं। बैंकिंग ऋण की कमी के चलते लोग छोटी वित्त कंपनियों या साहूकारों पर निर्भर हैं और उन्हें कठोर वसूली का सामना करना पड़ता है। 2001 से राज्य सरकार विदर्भ के छह जिलों अमरावती, अकोला, यवतमाल, वाशिम, बुलढाणा और वर्धा में किसानों की आत्महत्याओं का डेटा रख रही है। दो दशकों में इन जिलों में 22,000 से ज़्यादा आत्महत्याएं हुई हैं।

आत्महत्याओं को उन किसानों के बीच विभाजित किया जाता है जो राज्य सरकार से एक लाख रुपए के मुआवजे के पात्र हैं और जो नहीं हैं। जिला स्तरीय समिति यह जांच करती है कि आत्महत्या कृषि संकट या अन्य कारणों से हुई है या नहीं। मुआवजे के लिए पात्र होने के लिए, पीड़ित को ऋण, वसूली दबाव, फसल की विफलता और खेती से संबंधित अन्य संकटों का सामना करना पड़ा होगा। अमरावती में मई तक दर्ज 143 आत्महत्याओं में से 33 में कृषि संकट का मामला दर्ज है। दस मामले खारिज कर दिए गए हैं और 100 की जांच चल रही है। यवतमाल में मई तक 132 आत्महत्याओं में से 34 में कृषि संकट को आधिकारिक कारण बताया गया है। 66 मामलों की जांच चल रही है और जिला प्रशासन ने 32 को खारिज कर दिया है।

शिंदे गुट ने की 100 सीटों की मांग... टेंशन में भाजपा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। इस बात को लेकर मंथन का दौर जारी है। इतना ही नहीं महायुति में अजित पवार की एनसीपी के साथ तनाव की स्थिति बन गई है। इस बीच विधानसभा चुनाव भी 4 महीने के अंदर होने हैं, इसके लिए दबाव की राजनीति शुरू हो गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना गुट ने विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के लिए 100 सीटों की मांग रख दी है। पार्टी के सीनियर नेता रामदास कदम ने कहा कि उनकी पार्टी को राज्य विधानसभा की 288 सीट में से करीब 100 पर चुनाव लड़ने का मौका मिलना चाहिए।

शिवसेना एनडीए गठबंधन का हिस्सा है, जिसमें भाजपा और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) भी शामिल है। राज्य में अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। पूर्व मंत्री कदम ने शिंदे गुट द्वारा आयोजित अविभाजित शिवसेना के 58वें स्थापना दिवस के मौके पर कहा, हमें लड़ने के लिए 100 सीट मिलनी चाहिए और हम उसमें से 90 पर जीत सुनिश्चित करने वाले हैं। वहीं महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और एनसीपी नेता छगन भुजबल ने कहा था कि उनकी पार्टी को राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 80 से 90 सीट मिलनी चाहिए।

वहीं एनसीपी के दावों पर पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस ने जवाब देकर कहा था कि राज्य में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। फडणवीस ने कहा था कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और राज्य में होने वाले चुनाव में ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ेगी। फडणवीस ने हालांकि कहा कि तीनों दलों के नेताओं की बैठक और चर्चा के बाद ही सीट बंटवारे पर फैसला होगा। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों में भाजपा को महज 9 सीटें मिलने के बाद उसकी स्थिति गठबंधन में कमजोर होगी। इसकारण भाजपा को साथी दलों का दबाव सहना पड़ेगा।

हालांकि एक चर्चा यह हैं, कि भाजपा अजित की एनसीपी का साथ छोड़कर चुनाव में उतर सकती है। लोकसभा चुनाव में शिंदे गुट का प्रदर्शन अच्छा था। इस कारण भाजपा शिंदे गुट को साथ लेकर चलाना चाहेगी। एक वजह यह भी है कि शिंदे सेना के साथ उसकी वैचारिक समानता है, जबकि अजित के साथ स्थिति थोड़ा उलट है। बता दें कि संघ के नेताओं ने भी अजित पवार के साथ गठजोड़ पर सवाल उठाया था और लोकसभा चुनाव के खराब नतीजों के लिए जिम्मेदार बताया था।

भारत की सबसे मूल्यवान हस्तियों में दीपिका, कियारा और आलिया

मुंबई (एजेंसी)। वित्तीय और जोखिम सलाहकार फर्म क्रॉल की नई रिपोर्ट में भारत की सबसे मूल्यवान हस्तियों की शीर्ष रैंक में बदलाव हुआ है। अभिनेत्री आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण और कियारा आडवाणी भारत की सबसे मूल्यवान हस्तियों की सूची 2023 में अपनी जगह बनाने वाली शीर्ष तीन अभिनेत्रियाँ बनी हैं। रिपोर्ट में आलिया भट्ट को 101.1 मिलियन के ब्रांड मूल्य के साथ पांचवें स्थान पर और दीपिका को 96 मिलियन के साथ छठे स्थान पर दिखाया गया है। दोनों अभिनेत्रियों की 2022 की रैंकिंग में मामूली गिरावट आई है। हालांकि, सबसे बड़ा बदलाव ये हैं कि कियारा आडवाणी, जो 2022 में 16वें स्थान पर थीं, 2023 में 60 मिलियन के ब्रांड मूल्य के साथ 12वें स्थान पर पहुँच गईं। यह प्रभावशाली वृद्धि भारतीय बाजार में

उनके बढ़ते प्रभाव को दिखाती है। रिपोर्ट में सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट ट्रेंड्स पर भी चर्चा की गई है। इसमें पाया गया कि पिछले साल शीर्ष 25 हस्तियों ने विभिन्न क्षेत्रों में 300 से अधिक ब्रांडों का समर्थन किया, जिसमें टीवी और डिजिटल दोनों तरह के विज्ञापनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। कुल मिलाकर, क्रॉल रिपोर्ट एक गतिशील भारतीय सेलिब्रिटी परिदृश्य की तस्वीर पेश करती है, जिसमें आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण और कियारा आडवाणी जैसे स्थापित सितारे अपनी पहचान बना रहे हैं।

हनीट्रैप में फंसे युवक पर दागी 40 गोलियां, तिहाड़ प्रशासन पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजौरी गार्डन के एक मशहूर रेस्तरां में देर रात युवती के साथ बैठे एक युवक को दो बदमाशों ने 40 से ज्यादा गोलियां मारकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के वक्त रेस्तरां स्टाफ सहित कई लोग मौजूद थे। गोलियां चलते ही सभी लोग टेबल के नीचे घुस गए और अपनी जान बचाई। घटना के बाद आरोपी पिस्तौल लहराते हुए मौके से फरार हो गए। बाद में युवक के साथ बैठी युवती भी उसका मोबाइल और पर्स लेकर वहां से चली गई। पुलिस मामला दर्ज कर दोनों बदमाश और युवती की तलाश कर रही है। पुलिस पूरे मामले में युवती की भूमिका को संदिग्ध मान रही है और आशंका जता रही है कि अमन को हनी ट्रैप में फंसाया गया था। युवती के इशारा करने के बाद ही दोनों शूटरों ने अमन पर फायरिंग शुरू कर दी। अमन की हत्या के बाद एक बार फिर तिहाड़ जेल प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं।

कुख्यात गैंगस्टर नीरज बवाना तिहाड़ जेल के अतिसुरक्षित वार्ड में बंद है। नीरज को सुरक्षा के मद्देनज़र अकेला रखा गया है और उसके पास किसी को भी जाने की अनुमति नहीं है। अमन की हत्या में नीरज की भूमिका सामने आ रही है। हिमांशु भाऊ गैंग ने नीरज के कहने पर ही हत्या को अंजाम दिया है। सूत्रों ने बताया कि अमन की हत्या के लिए नीरज बवाना ने जेल से ही 2021 में भी प्लानिंग की थी। हमले के दौरान अमन के साथ उसका दोस्त और प्रधान गैंग का शूटर काला पहलवान मौजूद था। उस हमले में अमन बच गया था और काला मारा गया था।हिमांशु भाऊ गैंग ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। हिमांशु भाऊ ने पोस्ट में लिखा कि राजौरी गार्डन के रेस्तरां में हुई हत्या की जिम्मेदारी मैं और नवीन बाली भाई लेते हैं। अमन ने नीरज बवानिया के रिश्तेदार की 2020 में हुई हत्या में मुखबिरी की थी, जिसका बदला लिया गया है। हिमांशु भाऊ ने आगे लिखा कि जो भी बाकी रह गया है उसका नंबर भी जल्द आएगा।

पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि फाइनेंस का काम करने वाला अमन अपने परिवार के साथ हरियाणा के झज्जर में रहता था। रेस्तरां में युवती पहुंची और उसने अमन को फोन कर बुलाया। अमन के रेस्तरां पहुंचने के कुछ ही देर बाद भाऊ गैंग के दो शूटर वहां पहुंचे। दोनों ने अपना ऑर्डर दिया और फिर बर्गर लेकर अमन के पीछे वाली सीट पर जाकर बैठ गए। इसके बाद आरोपियों ने अपनी प्लेट टेबल पर रखी और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान अमन को करीब 40 गोलियां लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। करीब सात मिनट तक रेस्तरां में फायरिंग की आवाज गूंजती रही। वारदात के दौरान युवती वहां से हट गई थी। इधर, अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू होते ही रेस्तरां में चीख पुकार मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। वहां मौजूद ग्राहक के साथ ही कर्मचारी भी अपनी जान बचाने के लिए टेबल के नीचे छिप गए।

जाने क्यों तमिलनाडु में 69 फीसदी आरक्षण... बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा को ना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना हाई कोर्ट ने बिहार की नीतीश सरकार को बड़ा झटका दिया है। पटना की अदालत ने 65 फीसदी के जातिगत आरक्षण को खारिज किया है। अदालत के फैसले के बाद नीतीश सरकार के आगे ओबीसी और अति पिछड़ा वर्ग के लोगों को साधने की चुनौती है। इन वर्गों को जातिगत सर्वे कराने का बाद बढ़ा हुआ आरक्षण दिया गया था। हालांकि बिहार ऐसा पहला राज्य नहीं है, जहां इस तरह से आरक्षण की लिमिट बढ़ाने की कोशिश को अदालत से झटका लगा है। बिहार से पहले महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा जैसे राज्यों में भी ऐसा हुआ है।

फिर भी एक राज्य तमिलनाडु ऐसा है, जो अपवाद है। यहां 69 फीसदी आरक्षण बीते करीब 35 सालों से जारी है। दरअसल वर्ष 1992 के ऐतिहासिक फैसले में शीर्ष अदालत ने इंदिरा साहनी मामले में जातिगत आरक्षण की 50 फीसदी लिमिट तय की थी। अब यह सवाल उठता है कि फिर तमिलनाडु में क्यों 69 फीसदी का जातीय आरक्षण मिल रहा है। दरअसल इसके लिए 50 साल पीछे जाना होगा है। वर्ष 1971 तक तमिलनाडु में 41 फीसदी आरक्षण था। फिर जब अन्नादुरई के निधन के बाद करुणानिधि सीएम बने, तब उन्होंने सत्तानाथ आयोग का गठन किया। इस आयोग की सिफारिश पर उन्होंने 25 फीसदी ओबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 31 कर दिया। इसके अलावा एससी-एसटी के कोटे को 16 से बढ़ाकर 18 किया गया। इस तरह राज्य में कुल जातीय आरक्षण बढ़कर 49 फीसदी हो गया। इसके बाद 1980 में आई एआईएडीएमके सरकार ने पिछड़ा वर्ग का कोटा बढ़ाकर 50 फीसदी किया। एससी-एसटी का 18 प्रतिशत था ही। इस तरह कुल आरक्षण राज्य में 68 प्रतिशत हो गया। इसके बाद 1989 में करुणानिधि की जब सरकार आई, तब कोटे में ही 20 फीसदी आरक्षण अति पिछड़ा के लिए अलग से दिया गया। इसके बाद 1990 में मद्रास हाई कोर्ट के फैसले के बाद 18 फीसदी एससी आरक्षण के अलावा एसटी कोटा 1 फीसदी अलग से दिया गया। इस तरह कुल कोटा तमिलनाडू में बढ़कर 69 फीसदी हो गया। इसके बाद 1992 में सुप्रीम कोर्ट से इंदिरा साहनी केस में फैसला आया। इसमें कहा गया कि जातिगत आरक्षण 50 फीसदी से अधिक नहीं हो सकता। अदालत ने संविधान के आर्टिकल 16(4) का जिक्र कर यह आदेश दिया। इसके बाद जब 1993-94 में शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले की बारी आई, तब की जयललिता सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने आदेश दिया कि इस साल पुराने आरक्षण से एडमिशन ले सकते हैं, लेकिन अगले सत्र से 50 फीसदी लिमिट का नियम मानना होगा। इस पर जयललिता सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल की थी। यहां भी जयललिता

सरकार झटका लगा था।

अदालत से झटके पर जयललिता सरकार ने नवंबर 1993 में विधानसभा का स्पेशल सेशन बुलाकर प्रस्ताव पारित हुआ था। फिर इस प्रस्ताव को लेकर वह तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार के पास गई थीं। तब राव सरकार ने तमिलनाडु वाले आरक्षण कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में डाल दिया था। दरअसल यहां मसला यह है कि नौवीं अनुसूची में शामिल विषयों की अदालत में समीक्षा नहीं की जा सकती। इस तरह तमिलनाडु में 69 फीसदी आरक्षण निर्बाध चला रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)